सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 58 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 1 अप्रैल, 2022
मूल्य ₹ 3/-

हमें थोडा विनम्र रहना चाहिए; हम ये सोचें कि शायद सत्य पूर्ण रूप से हमारे साथ ना हो।
-जवाहरलाल नेहरु

कमान संभालते ही एक्शन में डिप्टी सीएम... 2 | ऋषि-कृषि संस्कृति में रची-बसी... 3 | अब विधायकों और अफसरों को... 7

एक हफ्ते में तीन पत्रकारों पर एफआईआर, क्यों अफसर करा रहे हैं सरकार की देश भर में बदनामी

» खबर छापने पर पत्रकारों की गिरफ्तारी की देश भर में निंदा, विपक्ष ने सरकार पर बोला हमला

» योगी सरकार पार्ट वन में भी मिर्जापुर में नमक-रोटी की खबर दिखाने पर पत्रकार के खिलाफ हुई थी एफआईआर

» सरकार के कुछ अफसर लगा रहे हैं योगी की साख पर बट्टा

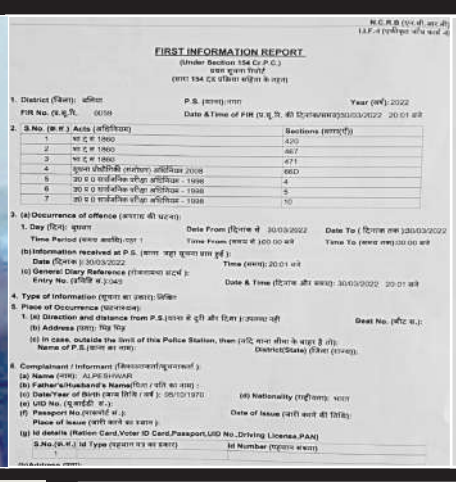

FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 154 Cr.P.C.)

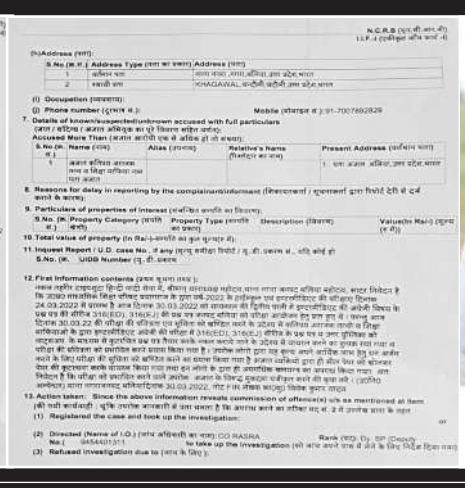

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार पार्ट वन में नौकरशाही ने सरकार की फजीहत कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। सांसद हों या विधायक या फिर मंत्री, सभी की शिकायत नौकरशाही से थी। खासतौर पर मीडिया पर एफआईआर और जांच कराना एक बड़ा मुद्दा बना हुआ था। योगी सरकार की दूसरी पारी की शुरूआत में ही नौकरशाही सरकार को बदनाम करने पर तुल गयी है। आगरा और बलिया में तीन पत्रकारों पर एफआईआर से पूरे देश में सरकार की बदनामी हो रही है। जाहिर है कुछ नौकरशाह इस बार भी ऐसे काम कर रहे हैं जिससे सरकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं इस मामले में विपक्ष ने भी सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं।

यूपी बोर्ड की 12वीं कक्षा के अंग्रेजी के पेपर लीक मामले में अफसरों की कारगुजारी ने प्रदेश सरकार की एक बार फिर देशभर में किरकिरी करा दी। पेपर लीक का भंडाफोड़ करने वाले पत्रकार ही पुलिस-प्रशासन के निशाने पर आ गए हैं। अफसर अपराधियों के बजाय पत्रकारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार कर रहे हैं। यूपी पुलिस ने बलिया से अमर उजाला के पत्रकार दिग्विजय सिंह और अजित कुमार ओझा व आगरा से पत्रकार गौरव को गिरफ्तार किया है। पत्रकार दिग्विजय सिंह ने बताया कि उन्हें सूत्रों से खबर मिली थी कि संस्कृत विद्यालय का पेपर आउट हो चुका है और उन्होंने पेपर की कॉपी अखबार में प्रकाशित की। इसके बाद अंग्रेजी विषय का पर्चा मिला और इसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। खबर छपने के बाद प्रशासन शिक्षा माफियाओं को पकड़ने की बजाए उनसे ही पूछ रही है कि पेपर कहां से आउट हुए। देश भर के पत्रकारों ने इसका खुला विरोध किया है और सरकार से बलिया पुलिस प्रशासन के खिलाफ निष्पक्ष जांच की मांग की है। बलिया कोतवाली में पत्रकारों ने पत्रकारों की गिरफ्तारी के खिलाफ धरना-प्रदर्शन भी किया और इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बताया।

यह कोई पहला मामला नहीं है जब प्रदेश सरकार के अफसर पत्रकारों को निशाना बना रहे हैं। योगी सरकार के पार्ट वन में भी मिर्जापुर में मिड-डे-मील में बच्चों को नमक-रोटी परोसने का खुलासा करने वाले पत्रकार पवन जायसवाल को भी अफसरों ने प्रताड़ित किया था और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इन पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, साजिश व फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया गया था। इसके अलावा भी कुछ अफसरों के इशारे पर कई अन्य पत्रकारों और मीडिया संस्थानों के खिलाफ एफआईआर की कार्रवाई की गयी थी। जाहिर है, कुछ अफसरों के चलते पूरी सरकार की फजीहत हो रही है और देश भर में लोकतंत्र के चौथे खंभे पर हमले को लेकर निंदा की जा रही है। वहीं विपक्षी दलों ने इसे तानाशाही करार दिया है।

क्या है मामला

पिछले दिनों यूपी बोर्ड की 12वीं के अंग्रेजी का प्रश्न पत्र लीक हो गया था। इसके कारण 24 जिलों में परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी। पेपर लीक होने की वजह से रद्द की गई परीक्षा 13 अप्रैल को होगी। बलिया समेत आगरा, मैनपुरी, मथुरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, बदायूं, बागपत, उन्नाव, शाहजहांपुर, सीतापुर, महोबा, जालौन, चित्रकूट, अंबेडकरनगर, प्रतापगढ़, गोंडा, गोरखपुर, आजमगढ़, बलिया, वाराणसी, कानपुर देहात, एटा, शामली में परीक्षा को निरस्त कर दिया गया था। वहीं इस मामले में खबर छापने पर पुलिस और प्रशासन अब पत्रकारों को निशाना बना रहे हैं।

देश की सबसे बड़ी मीडिया वेबसाइट भड़ास पर खबर आने से देश भर में गूंजा यह मामला

देश की सबसे बड़ी मीडिया वेबसाइट भड़ास पर पेपर लीक मामले में पत्रकारों को हिरासत लेने की खबर छपने के बाद आक्रोश फैल गया। वेबसाइट में अमर उजाला के दो स्थानीय पत्रकारों दिग्विजय सिंह और अजित कुमार ओझा को हिरासत में लेने की खबर जंगल में आग की तरह फैल गयी। वेबसाइट में लिखा गया कि प्रशासन ने आखिरकार अब रंग दिखा ही दिया और अजित कुमार ओझा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करते हुए जिला अस्पताल में मेडिकल कराया गया। वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक का भी मेडिकल कराकर हिरासत में ले लिया गया है। प्रशासन इस प्रयास में है कि पत्रकारों को ज्यादा से ज्यादा मुल्जिम बनाकर गिरफ्तार किया जाए ताकि पूरा ठीकरा इन्हीं पर फोड़ा जा सके।

“भाजपा सरकार के राज में ये बेहद नकारात्मक बात है कि जो देता है अपराध की ख़बर, उसी पर टूटता है कहर। ‘चौथा-स्तंभ’ हिरासत के डर से आजाद होना चाहिए।

अखिलेश यादव, सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष

“पेपर लीक मामला जांच का विषय है। किसी को निराधार तरीके से गिरफ्तार नहीं किया जाता है। यह न्याय का विषय है कि इस मामले में गिरफ्तार पत्रकारों की संलिप्ता थी या नहीं।

अखिलेश तिवारी, भाजपा नेता

“आदित्यनाथ जी आपका यही रवैया तानाशाही कहलाता है। पेपर लीक का खुलासा करने वाले जिन पत्रकारों की बहादुरी को सम्मानित करना था उन्हें आप गिरफ्तार करा रहे हैं। पेपर लीक तो काला दाग है ही अमर उजाला के पत्रकार की गिरफ्तारी कायरता है।

संजय सिंह, सांसद , आप

“भाजपा सरकार लगातार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमले कर रही है। वह अपनी नाकामी छिपाने के लिए पत्रकारों का उत्पीड़न कर रही है, उनको गिरफ्तार कर रही है। वह अपराधियों पर नहीं बल्कि अपराध की सूचना देने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसको लेकर जल्द आंदोलन चलाया जाएगा।

दीपक सिंह, एमएलसी, कांग्रेस

“लोकतंत्र के प्रहरी पत्रकारों के खिलाफ भाजपा सरकार में लगातार उत्पीड़नात्मक कार्रवाई हो रही है। यह बेहद निंदनीय है और ऐसा करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

अनिल दूबे, राष्ट्रीय सचिव, आरएलडी

कमान संभालते ही एक्शन में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरस्त करने में जुटे

» स्वास्थ्य मंत्री ने सिविल अस्पताल में अव्यवस्था देख लगाई फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक अचानक निरीक्षण करने पहुंचे। जहां मौके पर मौजूद अस्पताल के निदेशक डॉ. आनंद ओझा से व्हील चेयर और स्ट्रेचर दिखाने को कहा। यहां पड़ी व्हील चेयर को देखकर उन्होंने तुरंत सही करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने इमरजेंसी का निरीक्षण भी किया।

उन्होंने अस्पताल प्रशासन को एक सप्ताह का वक्त दिया है कि सभी व्यस्थाएं जल्द ठीक कर लें। बिना सूचना अचानक ही उप मुख्यमंत्री के सिविल अस्पताल पहुंचने की खबर मिलते ही अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। टूटी व्हील चेयर देखकर वे भड़क गए। उन्होंने मरीजों को मिलने वाली सामान्य व्यवस्थाओं को भी परखा। साथ ही मरीजों के काम आने वाली सभी जरुरतों को परख रहे थे। इस बीच उनकी नजर टूटी तीन व्हील चेयर पर गई। व्हील चेयर में गद्दी की जगह प्लाई लगी हुई थी, उन्होंने निदेशक से कहा कि इन सभी को दुरुस्त कराएं ऐसे व्हील चेयर पर कैसे मरीज बैठ पाएगा। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व यानी बुधवार को सिविल अस्पताल में बीमार पिता का इलाज कराने आई दो बेटियों की तस्वीर सामने आई थी। चलने में असमर्थ पिता को डॉक्टर को दिखाने के लिए बेटी खुद उन्हें गोद में उठाकर अस्पताल पहुंची थी। इस दौरान अस्पताल में उसे व्हील चेयर या स्ट्रेचर नहीं मिली थी। फोटो वायरल होते ही डिप्टी सीएम ने इसका संज्ञान लिया और खुद ही व्यवस्थाओं को परखने अचानक से अस्पताल पहुंचे थे।

चिकित्सकों के साथ की बैठक

उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक कास्टिडोर पहुंचे, वहां पर उन्होंने फैले पड़े सामान को लेकर भी जिम्मेदारों से सवाल किया। इस दौरान मौके पर मौजूद रहे मरीज व तीमारदारों से भी वह रुबरु होते दिखे। कुछ देर अस्पताल के सभी चिकित्सकों व स्टाफ के साथ बैठक करके उनसे भी समस्याओं के बारे में जाना। साथ ही अस्पताल की सभी व्यवस्था को अगले सात दिन के भीतर दुरुस्त करने के आदेश दिए।

भाजपा में अभी तो वैकेंसी नहीं है : केशव मौर्य

» शिवपाल यादव के बीजेपी में शामिल होने पर बोले डिप्टी सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (प्रसपा) के अध्यक्ष शिवपाल यादव की समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव से लगातार चल रही तनातनी के बीच उनके बीजेपी में शामिल होने की अटकलें भी तेज हैं। हालांकि शिवपाल यादव अभी कुछ भी खुलकर नहीं बोल रहे हैं, लेकिन इनकार भी नहीं कर रहे हैं। इस बीच शिवपाल यादव के बीजेपी में शामिल होने की अटकलों पर विराम लगाते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अभी बीजेपी में कोई वैकेंसी नहीं हैं। केशव मौर्य ने सीएम योगी के एक सवाल पर कहा कि पिछले दिनों अखिलेश यादव भी सदन में मुख्यमंत्री से मिले थे और भी कई लोग मिले। मुख्यमंत्री से कोई भी मिल सकता है। वे प्रदेश के 24 करोड़ जनता के मुख्यमंत्री हैं। दरअसल, सपा विधायक दल की बैठक में न बुलाए जाने से शिवपाल यादवनाराज बताए जा रहे हैं। प्रदेश की सियासत में उस वक्त हलचल बढ़ गई जब शिवपाल यादव ने मुख्यमंत्री के आवास पर उनसे करीब 20 मिनट तक मुलाकात की। इसके बाद अटकलें लगने लगी है कि इस बार शिवपाल यादव कोई बड़ा सियासी कदम उठा सकते हैं। अटकलें तेज हो गईं कि शिवपाल बीजेपी का दामन थाम सकते हैं।

सुबह पांच से आठ बजे तक खुद अफसर करवाएं सफाई : अरविंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा विभाग संभालते ही एक्शन में आ गए। पहले दिन उन्होंने नगरीय निकाय निदेशालय का निरीक्षण किया फिर अफसरों से संचालित योजनाओं की जानकारी ली। इसके बाद अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के कड़े निर्देश दिए।

उन्होंने नगर आयुक्त एवं उच्चाधिकारियों से प्रतिदिन सुबह पांच से आठ बजे के बीच स्वयं निकलकर सफाई करवाने व उसकी रिपोर्ट भेजने के लिए कहा है। मंत्री ने कहा कि शहरों की स्थिति में सुधार लाया जाए और भाजपा के संकल्प पत्र के अनुसार कार्ययोजना पर रणनीति बनाकर कार्य किया जाए। मंत्री ने कहा कि सीवर सफाई में आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाए। उन्होंने लखनऊ व रायबरेली में सीवर सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आकर चार सफाई कार्मिकों की मृत्यु पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो और यह प्रदेश के लिए अंतिम घटना बने, इस पर कार्य किया जाए।

लखनऊ में शिक्षा सुधार पर होगा मंथन

» राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी कार्यक्रम का मार्गदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी 2.0 ने अपने नए सफर की शुरुआत शिक्षा और शिक्षण संस्थानों को और बेहतर बनाने के फैसले से किया है। शिक्षण संस्थानों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रदेश भर के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविद और अधिकारी मंथन करेंगे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस मंथन में केंद्र राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के सभी सात बिंदु रहेंगे। इसके अतिरिक्त बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा के उन्नयन और बेहतरी पर विद्वान चर्चा करेंगे। कार्यक्रम 4 और 5 अप्रैल को प्रस्तावित है। इसके लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय को चुना गया है। हालांकि इस आयोजन को लेकर सूचना जारी नहीं की गई है।

सभी विभागों में भर्ती के लिए तय करें लक्ष्य : सीएम योगी

» 100 दिन में मिलेंगी 10 हजार सरकारी नौकरियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अगले 100 दिनों में 10 हजार सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने भर्तियों के लिए छह महीने और वार्षिक लक्ष्य भी तय करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने भर्ती कार्यवाही को पालीवाल समिति की संस्तुतियों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता व तय समय सीमा में तेजी से संपन्न कराने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने समस्त सेवा चयन बोर्ड के अध्यक्षों व शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने लंबित भर्ती प्रक्रिया को तेज करने, लंबित मामलों का निस्तारण करने और नई भर्तियों की कार्यवाही तेजी से शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने अफसरों को 100 दिन में 10 हजार सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी भर्तियों में पूरी तरह से पारदर्शिता बरती जाए और तय समय सीमा में संपन्न कराई जाए। एक सत्र से जुड़ी सभी भर्ती परीक्षाएं उसी सत्र में संपन्न कराई जाएं। उन्होंने भर्ती कार्यवाही की अवधि कम करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने प्रश्नपत्र लीक होने की चुनौतियों के मद्देनजर भर्ती कार्यवाही को शुचितापूर्ण, पारदर्शी, निष्पक्ष व भ्रष्टाचारमुक्त बनाने के लिए परीक्षा एजेंसी चयन में विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने भर्ती आयोगों व बोर्डों को निर्देशित किया कि सभी भर्ती परीक्षाओं से पहले गृह विभाग से समन्वय बनाया जाए और केन्द्रों के चयन में सावधानी बरती जाए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

100 दिन का रोडमैप तैयार करेगी उत्तराखंड सरकार

» कार्यभार संभालते ही मंत्रियों ने समीक्षाओं का दौर किया शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में मिथक तोड़कर लगातार दूसरी बार सत्तासीन हुई भाजपा सरकार सौ दिन का रोडमैप तैयार कर आगे बढ़ेगी। धामी सरकार के मंत्री इसी हिसाब से अपनी तैयारी कर रहे हैं। इस कड़ी में प्रदेश में चल रही विकास योजनाओं को गति देने के साथ ही वे नई योजनाओं का खाका खींचने में जुट गए हैं। मंत्रियों ने कार्यभार संभालते ही समीक्षाओं का दौर भी शुरू कर दिया है।देवभूमि से विशेष लगाव रखने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने की परिकल्पना की है।

उत्तराखंड को विकास की दृष्टि से सक्षम बनाकर उसे देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने का उनका संकल्प है, जिस पर राज्य की पुष्कर सिंह धामी सरकार को आगे बढना है। इसके साथ ही राज्यवासियों की अपेक्षाएं भी कम नहीं हैं। इस सबको देखते हुए मुख्यमंत्री धामी और उनकी टीम को राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए तेज गति से कदम बढ़ाने हैं। इसी के दृष्टिगत धामी सरकार ने खाका खींचा है। जिस तरह के संकेत मिल रहे हैं, उससे स्पष्ट है कि पहले चरण में सरकार सौ दिन का रोडमैप तैयार करेगी। सरकार के मंत्रियों ने इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत के अनुसार हम सौ दिन के रोडमैप पर आगे बढ़ रहे हैं। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने भी कहा कि हमारी तैयारी इसी हिसाब से है। अधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे वर्तमान में चल रही विकास योजनाओं और कार्यक्रमों को तेज गति से आगे बढ़ाएं। साथ ही नई योजनाओं के प्रस्ताव भी मांगे गए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य राज्य का चहुंमुखी विकास और विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसमें सरकार अपने प्रयासों में कहीं कोई कमी नहीं आने देगी।

मैं अयोध्या हूं...

ऋषि-कृषि संस्कृति में रची-बसी अयोध्या में खिलते थे सभी धर्मों के बहुरंगी फूल

जलती थी लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव के समाजवाद की वैचारिक मशाल

मृदंग सम्राट पागलदास की थाप पर उमग पड़ती थी शक्ति की सुषुप्त धारा

भारत की बहुरंगी संस्कृति को मिटाकर एकरंगी बनाने की कवायद परवान चढ़ रही है। स्वर्ग से सुंदर कश्मीर हो या मर्यादित अयोध्या, सियासत इसे विद्रूप बना रही है। अयोध्या पुकार रही है, आ अब लौट चलें अपने गौरवशाली परपंरा की ओर। आइए जानते हैं, ऋषि-कृषि संस्कृति में रची-बसी अयोध्या को पत्रकार उमेश सिंह की नजरों से।

अपने गौरवशाली परंपरा को आकुल-व्याकुल है अयोध्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मै अयोध्या सिर्फ शब्द भर नहीं हूं , शब्द ब्रह्म हूं। कमोबेश व्यापक, अखंड और अनंत जैसी स्थिति में हूं। संस्कृति की शिला पर मैं हर युग में स्वर्णिम हस्ताक्षर करती रही हूं। संस्कृति एवं सभ्यता का अंतिम शिरा जिस बिंदु पर जाकर ठहर जाता है, वह मैं ही हूं। सभ्यता के नजरिए से कुछ-कुछ सकुचाती लेकिन संस्कृति के फलक पर इठलाती आदि से आज तक चेतना के गौरीशंकरों के प्रसव की उर्वर भूमि हूं। कला, साहित्य, संगीत, अध्यात्म और राजनीति हर क्षेत्र में अपने युग में नव-व्याकरण की रचना करती रही हूं। अयोध्या से आशय सिर्फ एक धार्मिक नगरी भर से नहीं है बल्कि संस्कृति, सभ्यता, संस्कार, सरोकार की प्राण ऊर्जा जहां तक प्रवाहमान है, वह सब कमोबेश अयोध्या ही है।

अयोध्या ऐसी भूमि है, जहां सभी धर्मों के बहुरंगी फूल खिलते हैं। हिंदू, जैन, बौद्ध, सिक्ख सबके सब इसके आंगन में पलते हैं, पुसते हैं, बड़े होते हैं। जैन धर्म में कुल 24 तीर्थंकर हुए। इनमें से पांच ऋषभदेव, अजितनाथ, अभिनंदननाथ, सुमितनाथ, अनंतनाथ की जन्मभूमि अयोध्या और छठवें तीर्थंकर धर्मनाथ की जन्मभूमि अयोध्या से करीब 20 किलोमीटर दूर रत्नपुरी (रौनाही) है। मान्यता तो यह भी है कि 24 तीर्थंकरों में से 22 इक्ष्वाकु वंश के थे। प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव अयोध्या के राज परिवार के बताए जाते हैं। ऋषभदेव का चिन्ह बैल, अजितनाथ का चिन्ह हाथी, अभिनंदन नाथ का चिन्ह बंदर, सुनितनाथ का चिन्ह चकवा और धर्मनाथ का चिन्ह बज्रदंड है जो अयोध्या के जैन मंदिरों में विद्यमान है। रायगंज में ऋषभदेव का जन्मस्थान माना जाता है। यहां उनकी 31 फिट उतुंग प्रतिमा है। बक्सरिया टोला बेगमपुरा में अजितनाथ टोंक है। रामकोट में जैन मंदिर बना है। अयोध्या के राजघाट से भी जैनियों का गहरा रिश्ता रहा है। बौद्ध धर्म में भी अयोध्या का विशेष स्थान है। मान्यता है कि महात्मा बुद्ध ने यहां पर अपने जीवनकाल के सर्वाधिक चतुर्मास बिताए थे। बौद्ध ग्रंथ दीपवंश में चतुर्मास के बारे में वर्णन किया गया है। बौद्ध की महायान शाखा के आचार्य अश्वघोष का गहरा रिश्ता अयोध्या से रहा है। चीनी यात्री ह्वेनसांग जब यहां आए थे। उन्होंने अयोध्या की समृद्धि का सुंदर वर्णन किया है। ह्वेनसांग के अनुसार यहां कई बौद्ध मठ थे, जिसमें भिक्षु रहते थे। सिक्खों की चर्चा के बिना अयोध्या के संस्कृति की सतरंगी छटा अधूरी रह जाएगी। सिक्खों के प्रथम, नवम व दशवें गुरु अयोध्या आए थे। सिक्खों के प्रथम गुरु गुरुनानक देव हरिद्वार से जगन्नाथपुरी यात्रा के समय संवत् 1557 में ब्रह्मकुंड में धूनी रमाई थी, जहां आज ब्रह्मकुंड गुरुद्वारा है। नवम् गुरु तेग बहादुर आसाम से आनंदपुर साहब (पंजाब) जाते समय अयोध्या के ब्रह्मकुंड पर 48 घंटे तक अखंड तप किया था। उन्होंने अपने चरण-कमल की निशानी चरण पादुका (खड़ाऊं) यहां के सेवक को प्रदान किया था, जिसका दर्शन ब्रह्मकुंड गुरुद्वारे में होता था। नजरबाग मोहल्ले में दशम गुरुगोविंद सिंह जी आए। इस स्थान पर एक छोटी बीड़ (ग्रंथ साहब हस्तलिखित प्राप्त हुई थी), जो नानकपुरा फैजाबाद शहर स्थित गुरुद्वारे में संग्रहित है। वर्तमान में नजरबाग में उस स्थल पर गुरुद्वारा स्थित है।

समय की अबाध धारा में मेरी उर्वर जमीन ने क्या नहीं दिया? मै यह गर्व के साथ कह सकती हूं , हां ! मैंने देखी है शान। राजा को सन्यासी होते देखा है। सन्यासी गुणधारी को राजा होते हुए। ऋषभदेव हमारे ही आंगन के हैं। बल्कल भेष में आर्यावर्त को अपने कदमों से नापते पुरुषोत्तम राम को देखा है। सिंहासन छोड़ जमीन पर सोते योगीराज भरत को देखा। ऋषि, मुनियों, सन्यासियों की अखंड साधना और उनके तप को महसूस किया है। समाजवाद की वैचारिकी मशाल को जलाते हुए और मिसाल बनते हुए डॉक्टर लोहिया, आचार्य नरेंद्र देव को देखा है। यूरोप के राज महलों की दीवानगी भी देखी है। जामदानी कलाकारों की कलात्मक आभा देखी। इसी कला पर यूरोप रींझ गया था। मृदंग सम्राट पागलदास हमारे ही आंगन के हैं, जिनके हाथ की थाप पर शक्ति की सुषुप्त धारा उमग पड़ती थी। मेरा घर, आंगन, ओसारा ऐसा है, जहां राज्यवंशियों और शब्दवंशियों में मानो होड़ सी मची हुई है। राज्यवंशी राम को शब्दवंशी महात्मा तुलसी मिल गए। फिर क्या हुआ? राम का जन-जन के कंठ में वास हो गया।

मैं अयोध्या की सांस्कृतिक-राजनीतिक धुरी हूं। मेरे आंगन में महात्मा आए और महावीर भी। आजीवक मक्खलि गोसाल भी मुझ पर रींझे। अश्वघोष मेरी ही संतान था जिसने बौद्ध दर्शन को अपनी अचूक तर्कशीलता की बदौलत आसमानी बुलंदी दी। श्रेष्ठ यनि की पुत्री विशाखा की दानशीलता मेरे जेहन में कौंधती है। मेरी उस जगह पर आज भी हर साल दक्षिण पूर्वी एशिया के बौद्ध मतानुयायी आकर सिर झुकाते है। महात्मा बुध का कटोरा जेड स्टोन से बना माना जाता है। आज भी यहां झाड़ियों में माटी के अंदर दबे पत्थर से बुध आराधक आकर्षित होते हैं। कहते हैं कि यही विशाखा का महल था। मेरे इस हरे रंग के पत्थर में तमाम गुण हैं। हल्का तो है ही,पानी पड़ते ही हरे रंग में चमकने लगता है। ऋषभदेव ही नहीं , मेरी कोख में अजित नाथ , सुमित नाथ अभिनंदन नाथ और अनंत नाथ जैसे तीर्थंकरों को जना। मेरी रत्नपुरी यानि रौनाही आध्यात्मिक उदासी की चादर में आज भले लिपटी हो लेकिन कभी जैन विचारकों का महत्वपूर्ण केंद्र हो अपने वैभव पर इतराती थी। मैं रोती बिलखती रहती हूं रत्नपुरी को देखकर कि कभी अहिंसा के विचारों का जमावड़ा जहां रहता था , वहां के चतुर्दिक कुछ किलोमीटर के दायरे में विचार परिवर्तन की जैसे दूसरी धारा बहने लगी है। धर्मनाथ स्वामी ने जो अलख जगाई थी अब उसके स्वर मंद पड़ रहे हैं। मेरा आंगन सर्व धर्मों की नजीर भी है। यहां अजान के साथ राम धुन बजती है तो बुद्धम शरणम गच्छामि के साथ दूसरे धर्मों की सूक्तियां लोगों की जुबान पर तैरती है। स्वर्गद्वार स्थित हजरत इब्राहिम शाह की मजार भी आस्था का बड़ा केंद्र है। कल-कल करती पुण्य सलिला सरयू का स्पर्श मुझको आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सौंदर्य से भर देता है।

मै चार हजार से ज्यादा मंदिरों से भरी हुई हूं। सूर्य की किरण फूटने के पहले मेरे आंगन में देववाणी गूंजने लगती है। अखंड राम नाम संकीर्तन हमारी पहचान है। नैतिक मान्यताओं का प्रकाश पुंज रामचरितमानस हमारे ही आंगन में पूर्णता को प्राप्त हुआ। भातृत्व प्रेम की अद्भुत मिसाल भरतकुंड में भक्तों की भीड़ देख मन आनंद से भर उठता है। बदलते दौर में आज भी मै प्रासंगिक हूं और लोग मुझ से प्रेरणा ले रहे हैं। सांस्कृतिक शंखनाद के संवाहक विवेकानंद के आध्यात्मिक अभीप्सा जिस लक्ष्मण किला में दार्शनिक संवाद से शांत हुई, वह भी मेरा ही आंगन-ओसारा है। माईवाडा में महिलाओं के अंतर्मन में उठती आस्था की लहरों को देख मैं गौरवान्वित हो उठती हूं क्योंकि इनके रोम-रोम में राम बसे हुए हैं। मेरे पास सीता राम नाम बैंक भी है। मृदंग सम्राट राम शंकर दास ' पागल दास ' तथा तालमणि विजयराम दास और मार्गी संगीत के मर्मज्ञ और मौन साधना के प्रबल हिमायती राम आसरे गवैया को याद कर मैं पुलकित हो जाती हूं।

गौरवशाली रहा इतिहास

खुलासत उत तवारीख में बढ़िया चावल और अच्छी खेती के नाते मेरी प्रशंसा की गई। औरंगजेब के समय मेरी माटी इतनी मूल्यवान थी कि उसमे सोना मिलता था। सरयू के किनारे की मिट्टी -बालू को चलनी से छान कर सोना निकाला जाता था। मेरी नदी सई में मछलियां इतनी थी कि जाल डालते ही वह मछलियों से भर उठता था। जे एन सरकार ने इंडिया औरंगजेब में इसकी तस्दीक की है। सिक्खों के मामले में भी मेरा गौरवशाली अतीत रहा है। करमदांडा और भिटौरा में सिक्को का ढेर मिला जो क्रमशः गुप्त और मौखरि शासकों की मौजूदगी बयां करते हैं। कार्नेक को मौखरियो के सिक्के यहीं से प्राप्त हुए थे। कला साहित्य और संस्कृति में जौनपुर को पूर्व का शिराज का ओहदा दिलाने वाला शेरशाह सूरी की मौद्रिक व्यवस्था का बड़ा केंद्र टकसाल मोहल्ला रहा है। उस दौर की चूने की बनी फतेहगंज -चौक की सड़क अब भी मौजूद है। मुगल शासक मोहम्मद शाह के समय 1722 में मेरे टकसाल में जो सिक्के ढलते थे ,उस पर मेरा दो नाम अंकित है। अवध तथा अख्तर नगर। नवाबी युग में मेरी रौनक तो पूछिए मत। डब्ल्यू होवे को कहना पड़ा कि फैजाबाद की रौनक आगरा और दिल्ली की रौनक से टक्कर लेने लगा। मेरी संपन्नता ऐसी की बैंकिंग कारोबार के क्षेत्र में ब्रिटिश पूंजी के एकाधिकारवादी वर्चस्व को हमने तोड़ा। भारतीयों की पूंजी से 1861 मे पहला इंडियन बैंक अवध कमर्शियल बैंक लिमिटेड खुला, जो देशवासियों के आर्थिक अस्मिता का प्रतीक बन कर उभरा। लाजपत नगर में पीली बूढ़ी बिल्डिंग के दक्षिणी दीवार में धुंधला नाम आज भी बाहर झांक रहा है जो इसकी यादों का मूक गवाह है। बर्मिंघम से जे एच इलियट एंड कंपनी की आई तिजोरी बैंकिंग इतिहास की अनमोल धरोहर है जो पत्थर कोठी में अब भी मौजूद है।

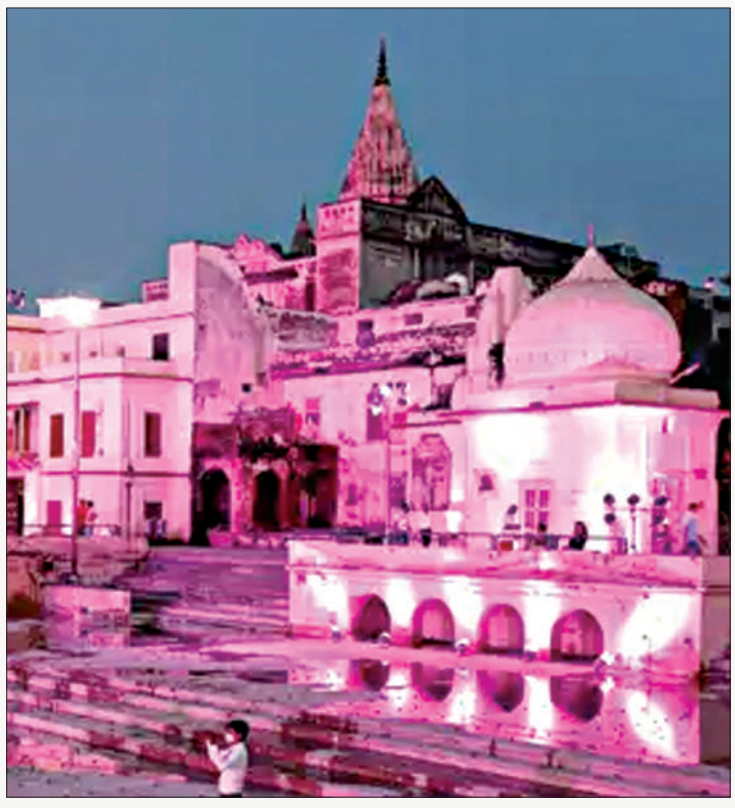

उपेक्षित हो गया बहू बेगम का मकबरा व शुजाउद्दौला की गुलाबबाड़ी

नवाबी युग में मेरी शान सूर्य की मध्यान्ह गरिमा तक पहुंच गई। ईरान के निशापुर के सहादत अली खान ' बुरहान उल मुल्क ' को मेरी ही जमीन अच्छी लगी। फिर क्या हुआ ? फारसी स्थापत्य शैली की चमकती दमकती इमारतों ने मेरी सुंदरता को बढ़ा दिया। नजाकत और नफासत मेरी संस्कृति की पहचान बन गई। गुलाब बाड़ी में शुजाउदौला का मकबरा, नाका में बहू बेगम का मकबरा और सरयू के तट की ओर खानम का मकबरा बने। मंदिर हो या मस्जिद दोनों के प्रवेश द्वार पर उत्कीर्ण दो मछलियों के मार्फत मैं सांप्रदायिक सौहार्द की खुशबू बिखेर रही हूं। इमामबाड़ा सबसे पहले मेरे यहां गुलाबबाड़ी में ही बना था। मेरे बाग बगीचों, खूबसूरत इमारतों, चटक रंगधारी पंख वाले पक्षियों से मुगल बादशाह बाबर बहुत प्रभावित हुआ था। अंग्रेज व्यापारी फिंच ने मुझे देखा तो उसके हवाले से विलियम कोस्टर ने अली ट्रेवल्स इन इंडिया में लिखा कि रानी चंद यानी रामचंद का किला और महल खंडहर के रूप में विद्यमान है।

अंग्रेजों ने बेशर्मी से लूटा

1850 में कर्नल डब्लू एच स्लीमन की आंखें चौंधिया गई। उसने अपने आका को मुझे अंग्रेजी राज में मिलाने की रिपोर्ट दे दी। नवाबी युग में अंग्रेजों द्वारा मुझे ऐसी बेशर्मी से लूटा गया कि उसकी गूंज ब्रिटिश संसद में भी सुनाई पड़ी। बेगम के शरीर से भी आभूषण उतरवा लिए गए। 29 मार्च 1857 को मेजर ह्यूस्टन के सीने में गोली उतारने सत्तावनी क्रांति के महानायक मंगल पांडेय का रिश्ता भी हमसे है। 19 दिसंबर 1929 को फांसी के तख्ते से अशफाक उल्ला खान ने कहा , मन ही मन अभिमान कर रहा हूं यह सोच कर कि सात करोड़ मुसलमान भारतवासियों में सबसे पहला मुसलमान हूं जो भारत माता की स्वतंत्रता के लिए फांसी पर चढ़ रहा है। मौलवी अहमद शाह को मेरी ही जमीन की जरूरत पड़ी। मेरे मंदिर ही क्रांतिकारियों की स्थली बन गए। ब्रह्मचारी वासुदेवाचार्य , खाकी अखाड़े के महंत भगवान दास , हनुमानगढ़ी के बनवीर दास और मेरठ मंदिर के शिवकुमार त्रिपाठी पुत्र थे। मेरे आंगन में पला बढ़ा नरेंद्र देव ने समाजवाद की मशाल को और तेज कर दिया। प्रेमचंद की दोस्ती को परवान चढ़ाने वाला मासिक पत्र सुबह उम्मीद यहीं से निकलता था। कवि सम्मेलनों की प्राण ऊर्जा निशंक मतवाला और मधुर मेरी ही पहचान थे।

गुम हो गई मल्लिका-ए- गजल बेगम अख्तर की आवाज

कंपकपाती आवाज से शब्दों की सत्ता को चिरंतन बना देने वाली मल्लिका-ए-गजल बेगम अख्तर को भला कोई भूल सकता है। अख्तर की दर्द भरी आवाज का ही जादू था कि चिड़ियों की चहचहाहट शांत हो जाती थी। पदम अलंकारों से अलंकृत मेरी बेटी मटरसा के जिस घर में पैदा हुई वह मिट्टी के ढेर में तब्दील हो गया। उन निशानियां को टुकुर-टुकुर निहारते हुए रुदन करती हूं। किसी ने भी मेरी वेदना को महसूस नहीं किया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बिम्सटेक सम्मेलन के निहितार्थ

बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार और श्रीलंका में चीन अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। वह इनके जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है। अधिकांश देश भारत के साथ समुद्र और जमीन से जुड़े हैं। ऐसे में बिम्सटेक को मजबूती देने से भारत को चीन पर न केवल कूटनीतिक बढ़त मिलेगी बल्कि इन देशों में अपना प्रभाव बढ़ाने का मौका भी मिलेगा।

बिम्सटेक के शिखर सम्मेलन में भारत समेत सदस्य देशों ने क्षेत्रीय सहयोग पर जोर दिया। पहली बार इस संगठन के चार्टर को मंजूरी दी गयी। साथ ही हर सदस्य देश ने एक क्षेत्र का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी ली। भारत को बिम्सटेक में सुरक्षा व्यवस्था के क्षेत्र में सहयोग का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिली है यानी भारत बिम्सटेक को सुरक्षा कवच प्रदान करेगा। सदस्य देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू किए जाने पर भी सहमति बनी। सवाल यह है कि क्या बिम्सटेक शिखर सम्मेलन सदस्य देशों के आर्थिक विकास को तेज कर सकेगा? क्या सदस्य देशों के बीच पर्यटन, शिक्षा, संस्कृति के बीच सहभागिता बढ़ेगी? क्या इसके जरिए भारत, पड़ोसी चीन और पाकिस्तान के खिलाफ कूटनीतिक बढ़त हासिल कर सकेगा? क्या एफटीए लागू होने से व्यापार संतुलन स्थापित होगा? क्या सदस्य देशों के जरिए विश्व में बढ़ते आतंकवाद पर अंकुश लगाया जा सकेगा?

बिम्सटेक यानी बे ऑफ बंगाल इंनिशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टोरल टेक्नीकल एंड इकोनामिक कोऑपरेशन का पांचवा शिखर सम्मेलन कई मामलों में अहम है। संगठन में भारत, भूटान, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार, थाईलैंड और श्रीलंका शामिल हैं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने क्षेत्रीय सहयोग के विस्तार का आह्वान किया है। कोरोना महामारी, रूस-यूक्रेन संकट समेत अन्य राजनीतिक हलचलों के दौर में यह आह्वान अहम है। बिम्सटेक चार्टर को अपनाया जाना बड़ी पहल है। इससे संगठन वैश्विक मंचों पर अधिक प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा सकेगा। बिम्सटेक देशों और इनसे जुड़े एशियाई क्षेत्रों में आतंकवाद लंबे समय से चुनौती बना है। संगठन इससे निपटने में भी प्रभावी भूमिका निभा सकेगा। इसमें दो राय नहीं कि आपसी सहयोग से सभी देशों को फायदा होगा। बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार और श्रीलंका में चीन अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। वह इनके जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है। अधिकांश देश भारत के साथ समुद्र और जमीन से जुड़े हैं। ऐसे में बिम्सटेक को मजबूती देने से भारत को चीन पर न केवल कूटनीतिक बढ़त मिलेगी बल्कि इन देशों में अपना प्रभाव बढ़ाने का मौका भी मिलेगा। इससे पर्यटन समेत अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। पाकिस्तान पर भी अंकुश लग सकेगा। यह भारत के नेबर फर्स्ट की नीति को भी आगे बढ़ाएगा। श्रीलंका और नेपाल भी अब चीन से मुक्ति चाहते हैं लिहाजा वे भारत से संबंध प्रगाढ़ करने पर जोर दे रहे हैं। ऐसे में यदि इन देशों से बेहतर संबंध स्थापित हुए तो सभी सदस्य देशों को फायदा मिलेगा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति भी बनी रहेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

काशी विश्वनाथ से पशुपतिनाथ की कूटनीति

पुष्परंजन

जिस दिन चीनी विदेश मंत्री वांग यी को नेपाल आना था, उसी 25 मार्च को डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा शीतल निवास में राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी के समक्ष दिल्ली में राजदूत पद की जिम्मेदारी संभालने के लिए पद व गोपनीयता की शपथ ले रहे थे। दिलली में नेपाली राजदूत का पद 20 अक्टूबर, 2021 से खाली पड़ा था। इसको 19 फरवरी, 2019 से सुशोभित कर रहे थे पत्रकार नीलांबर आचार्य। लगभग छह माह से खाली पद की भर्ती के लिए नेपाल सरकार के संजीदा होने की वजह स्वत: स्फूर्त नहीं है।

प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को एक से तीन अप्रैल के बीच भारत की राजकीय यात्रा पर आना है, चुनांचे 'चार्ज द अफेयर्स' के माध्यम से कूटनीति की गाड़ी लंबे समय तक चलाना ठीक नहीं लग रहा था। डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा अमेरिका में नेपाल के राजदूत रह चुके हैं। वे 2002 से 2006 तक नेपाल योजना आयोग के उपाध्यक्ष भी थे। विदेश मंत्री डॉ. नारायण खड्का ने काफी विमर्श के बाद डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा की नियुक्ति के लिए हामी भरी थी। दिल्ली में एक ऐसा दूत जो अमेरिका-चीन की कूटनीतिक चालों को गहराई से समझता हो। नेपाल-भारत के बीच आर्थिक गतिविधियों को कैसे आगे बढ़ायें, यह इस नियुक्ति का पहला उद्देश्य लगता है। प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा तीन दिवसीय भ्रमण में पीएम मोदी से हैदराबाद हाउस में मिलेंगे। उनकी मुलाकात की सूची में उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी हैं। पीएम देउबा दिल्ली में भारत के शिखर उद्योग-व्यापार प्रतिनिधियों को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की यात्रा का अंतिम चरण बनारस है, जहां उन्हें काशी विश्वनाथ से पशुपतिनाथ को जोड़ते हुए नेपाल प्रस्थान करना है। नेपाल के पश्चिमांचल में गंडकी अंचल के कास्की जिले में लाहाचोक नामक स्थान है। यहां कुछ दिन पहले नेपाल की ऊर्जा मंत्री पंफा भुसाल ने 42 किलोमीटर लंबी 'मोदी-लेखनाथ ट्रांसमिशन लाइन' का उद्घाटन किया है। ऐसा पहली बार हुआ जब नेपाल की किसी परियोजना के नामकरण में भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री को उद्धृत किया गया है। 'मोदी-लेखनाथ ट्रांसमिशन लाइन' 20 मिलियन डॉलर का प्रोजेक्ट है। भारत, चूंकि आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, उसकी

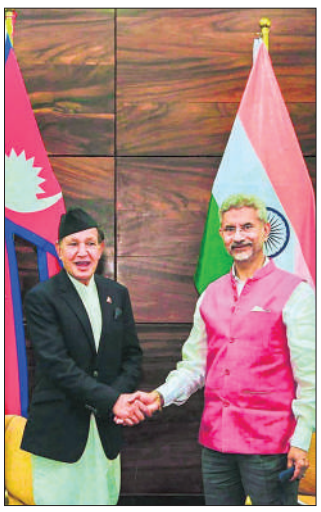

प्रतिच्छाया नेपाली कूटनीति पर भी पड़ती दिख रही है। हमारी आजादी के 75 साल और नेपाल में भारतीय सहयोग वाली 75 परियोजनाएं।

भारत ने इन्हें पूरी करवाने के लिए नेपाल को 25 करोड़ डॉलर का 'लाइन ऑफ क्रेडिट' दे रखा है। भारत द्वारा सहयोग की इन परियोजनओं में 220 केवी की कोशी कॉरिडोर, 132 केवी क्षमता वाली सोलू कॉरिडोर और 400 केवी की ढलकेबार-मुजफ्फरपुर ट्रांसमिशन लाइनें शामिल हैं। ये भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी' का अहम हिस्सा हैं। नेपाल को आज की तारीख में सड़क, जलविद्युतीकरण व अधोसंरचना के लिए पैसा चाहिए। चीन को यह भ्रम हो चला है कि नेपाल को जो कुछ चाहिए, सबसे पहले वह चीन का दरवाजा खटखटाये। जब कभी भारत, यूरोप या अमेरिका से नेपाल को मदद जाती है, चीन की भृकुटि तनती है। उसे लगता है, जैसे कोई उसके अधिक्षेत्र में अनधिकार प्रवेश कर रहा हो। 2012 में नेपाल ने अमेरिकी सरकार से मिलेनियम चैलेंज कोऑपरेशन (एमसीसी) के तहत सहयोग का एक आग्रह पत्र भेजा था। सितंबर, 2017 में एमसीसी फंड के तहत 50 करोड़ डॉलर का सहयोग देने की स्वीक़ृति हो गई। मगर नेपाली संसद की मुहर जरूरी थी। साल 2022 के आरंभ में 13 करो? डॉलर की राशि का इजाफा इसी फंड में किया गया। नेपाल में जो चीन समर्थक तत्व हैं, उन्हें लगा कि एमसीसी के बहाने अमेरिका इस इलाके में अपने प्रभामंडल का विस्तार कर रहा है। नेपाल की जलविद्युत परियोजनाओं में चीनी घुसपैठ पिछले दरवाजे से हो चुकी है, चीन समर्थकों ने एमसीसी को रद्द कराने के लिए नेपाली संसद से लेकर सोशल मीडिया तक को गर्मा दिया गया। मगर, जब नेपाली संसद से स्वीकृति मिली, विरोधियों के मुंह पर ताला लग गया। मेची से महाकाली तक एक हजार 27 किलोमीटर लंबा महेंद्र राजमार्ग पचास के दशक में भारतीय सहयोग से निर्मित हुआ था। यह उत्तराखंड, यूपी, बिहार व बंगाल जैसे चार राज्यों को छूता है। चीन नेपाल के पर्वतीय हिस्से में अपना विस्तार करता रहा, मगर उसकी पूरी नजर पूर्व-पश्चिम राजमार्ग पर टिकी रही। तराई के इलाके में माहौल बनाने के लिए चीन परस्तों को पाकिस्तान समर्थक तत्वों की मदद मिलती रही है। यह एक ऐसी व्यूह रचना है, जिसे तोड़ने और दिल्ली से कोऑर्डिनेट करने में डॉ. शंकर प्रसाद शर्मा जैसे राजदूत बड़े काम के साबित हो सकते हैं। लगता है, नेपाली सत्ता प्रतिष्ठान को जो लोग इस समय चला रहे हैं, वे चीन के चंगुल से मुक्ति की चाह रखने लगे हैं।

सदन में शर्मसार होता लोकतंत्र

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधान सभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच हाथापाई और नेता प्रतिपक्ष समेत पांच भाजपा विधायकों के निलंबन की घटना एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र को शर्मसार कर गई। भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इसको सशक्त बनाने की बात सभी राजनैतिक दल करते हैं पर सत्ता-संचालन एवं विधायी कार्यवाही में सारी मर्यादाओं एवं लोकतांत्रिक मूल्यों को ताक पर रखकर एक ही संस्कृति-हिंसा एवं अराजकता की संस्कृति को अपना लेते हैं।

पश्चिम बंगाल विधान सभा में हिंसा का जो तांडव हुआ उससे न केवल भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को गहरा आघात लगा है बल्कि आम जनता को भी हैरानी हुई है। यह सब लोकतांत्रिक एवं अभिव्यक्ति की सर्वोच्च प्रक्रिया की गरिमा और महत्ता को समाप्त करने का प्रयास है। बीरभूमि की हिंसा को लेकर नाराज विपक्ष मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी कर रहा था क्योंकि उनके पास गृह मंत्रालय भी है। इसी दौरान सत्ता पक्ष के विधायक भी आक्रामक हो उठे और यह अशोभनीय घटना घट गई। यह सिर्फ पश्चिम बंगाल विधान सभा की बात नहीं है, देश की लगभग तमाम विधायी संस्थाओं में हर कुछ अंतराल पर ऐसे अशोभनीय दृश्य उपस्थित होने लगे हैं। बीरभूमि की जिस भयावह घटना ने सारे देश को झकझोर दिया हो, उस पर विधान सभा में चर्चा क्यों नहीं होनी चाहिए थी? इससे विडम्बनापूर्ण बात और कोई नहीं कि सत्तापक्ष के सदस्यों ने न केवल चर्चा से इंकार किया बल्कि चर्चा की मांग कर रहे भाजपा विधायकों से मारपीट भी की, इन शर्मनाक दृश्यों को समूचे देश ने देखा। आम तौर पर विधानसभाओं में हंगामा, धक्कामुक्की और मारपीट करने का आरोप विपक्ष पर लगता है लेकिन बंगाल विधान सभा में इस आरोप के दायरे में सत्तापक्ष के सदस्य भी हैं। यह बात और है कि इस हिंसा के लिए केवल भाजपा विधायकों को जिम्मेदार माना गया और उनमें से पांच को साल भर के लिए निलंबित भी कर दिया गया। ऐसी घटनाएं केवल लोकतंत्र को शर्मिंदा ही नहीं करतीं बल्कि राजनीतिक दलों के बीच कटुता एवं द्वेष भी बढ़ाती हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बंगाल का राजनीतिक वातावरण लगातार विषाक्त एवं विसंगतिपूर्ण होता जा रहा है। इसी कारण वहां राजनीतिक हिंसा का सिलसिला थम नहीं रहा है।

यही नहीं जब कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह कहते हुए एक तरह से उसे धमकी दे दी कि अगर जांच सही तरीके से नहीं की गई तो वह सड़कों पर उतरेंगी। प्रश्न है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय को बंगाल पुलिस पर भरोसा होता तो वह घटना की जांच सीबीआई के हवाले करता ही क्यों? भरोसा टूटने का कारण यह भी हो सकता है कि विधान सभा चुनावों के बाद हुई भीषण हिंसा में बंगाल पुलिस ने उस दौरान हिंसक तत्वों की घोर अनदेखी एवं पक्षपात किया था। यह अनदेखी बीरभूमि मामले में भी देखने को मिल रही है।

सत्ता पक्ष की नाकामियों एवं त्रासद स्थितियों पर रचनात्मक आलोचना ही लोकतंत्र की जीवंतता का द्योतक है। यह किसी भी विपक्ष का पहला संवैधानिक दायित्व है और पश्चिम बंगाल विधान सभा में भाजपा विधायकों को यह अधिकार है कि वे किसी शासकीय चूक पर, प्रशासनिक लापरवाही पर सरकार से जवाब-तलब करें। स्वस्थ चर्चा एवं आलोचना क्यों हिंसा का कारण बन जाती है? इस तरह की हिंसा का वातावरण बनना भारतीय लोकतंत्र के आगे सबसे गंभीर चुनौती है। विडंबना यह है कि हमारे जन-प्रतिनिधियों के लिये लोकतांत्रिक प्रशिक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे प्रशिक्षण सदस्यों को संसदीय कार्यों की बारीकियां ही नहीं सिखाते, बल्कि सदन के भीतर आचरण के विभिन्न पहलुओं से भी अवगत कराते हैं। इसमें संदेह नहीं कि ममता के विधायकों ने विधान सभा में अपनी सत्ता एवं अधिकारों का जमकर दुरुपयोग किया है। साफ है, सत्ता और विपक्ष जब तक एक-दूसरे को विश्वास में नहीं लेंगे, बदले की भावना एवं संकीर्णताएं नहीं छोड़ेंगे तब तक पश्चिम बंगाल विधान सभा जैसी अप्रिय एवं त्रासद स्थितियां पैदा होती रहेंगी और इससे भारतीय लोकतंत्र बार-बार लहूलुहान होता रहेगा। पश्चिम बंगाल की वर्तमान सरकार ने विधान सभा में गुंडागर्दी को संरक्षण दिया उसकी उम्मीद ममता बनर्जी से नहीं की जा सकती थी क्योंकि यही ममता विपक्ष में रहते हुए वामपंथी शासन पर हिंसा करने के आरोप लगाते नहीं थकती थीं, अब वैसी ही हिंसा उनके शासन में भी हुई है। जो इन बुराइयों एवं हिंसा के खूनी खेल को लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरियां बताते हैं, वे भयंकर भ्रम में हैं। बुराई हमारे चरित्र में है इसलिए व्यवस्था बुरी है। हमारा रूपांतरण होगा तो व्यवस्था का तंत्र सुधरेगा, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा इसलिए बेहतर होगा कि जिम्मेदार राजनीतिक पार्टियां लोकतंत्र को शुद्ध सांसें देने की पहल करें, अपने विधायकों, कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को लोकतंत्र एवं अहिंसा का प्रशिक्षण दें। विश्व का अव्वल दर्जे का कहलाने वाला भारतीय लोकतंत्र आज अराजकता के चौराहे पर है। जहां से जाने वाला कोई भी रास्ता निष्कंटक नहीं दिखाई देता। इसे चौराहे पर खड़े करने का दोष जितना जनता का है उससे कई गुना अधिक राजनैतिक दलों व नेताओं का है।

चैत्र नवरात्रि
ऐसे प्रसन्न करें नौ देवियों को

हिंदू धर्म में नवरात्रि के दौरान साधना और उपासना करने के सर्वश्रेष्ठ बताया गया है। ऐसी मान्यता है की सामान्य दिनों में किसी भी साधना में सिद्धि हासिल करने के लिए कम से कम 40 दिनों की आवश्यकता होती है। वहीं नवरात्रि में नौ दिन ही अनुष्ठान में सफलता हासिल करने के लिए पर्याप्त होते हैं। बता दें कि साल भर में चार मास चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ इन चार मासों में नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। लेकिन इनमें से चैत्र और शारदीय नवरात्रि प्रमुख होते हैं। इस बार दो अप्रैल से चैत्र या बासंतिक नवरात्र शुरू हो रहे हैं। तो आइए जानते हैं नवरात्रि की पूजा विधि और इन नौ दिनों किन मंत्रों का जप करने से आपको लाभ होगा।

शैलपुत्री

शैलपुत्री मां दुर्गा का प्रथम स्वरुप हैं। मान्यता है कि शक्ति की प्रथम उत्पत्ति शैलपुत्री के रूप में ही हुई थी। नवरात्रि के पहले दिन इनकी ही पूजा करनी चाहिए। मां के सामने धूप, दीप जलाएं और देसी घी का दीपक जलाकर मां की आरती उतारें। इसके बाद शैलपुत्री माता की कथा, दुर्गा स्तुति या दुर्गा चालीसा का पाठ करें। इस दिन मां को गाय के घी से बनी सफेद चीजों का भोग लगाएं। इसके बाद शाम के समय मां की आरती *कर उनका ध्यान करें। मंत्र: ऊं शैलपुत्र्यै नम:।*

ब्रह्मचारिणी

नवरात्रि के दूसरे दिन मां भगवती के द्वितीय रूप ब्रह्मचारिणी देवी की पूजा की जाती है। सुबह पूजा के समय अपने हाथों में एक फूल लेकर देवी का ध्यान करें। इसके बाद उन्हें पंचामृत से स्नान कराएं, फिर फूल, कुमकुम, सिंदूर अर्पित करें। बता दें की देवी को सफेद और सुगंधित फूल प्रिय हैं। इसके अलावा आप कमल का फूल भी चढ़ा सकते हैं। *मंत्र: ऊँ ब्रह्मचारिण्यै नम: दूसरा मंत्र: या देवी सर्वभूतेषु मां ब्रह्मचारिणी संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:।।*

चंद्रघंटा

नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा के रूप की पूजा की जाती है। सबसे पहले देवी के गंगा जल से स्नान कराएं। इसके बाद धूप-दीप, रोली , फूल और फल अर्पित करें। इसके बाद मां का ध्यान करें और मन में ऊं चंद्रघण्टायै नम- का जप करते रहें। *मंत्र: पिण्डजप्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकैर्युता। प्रसादं तनुते महं चंद्रघण्टेति विश्रुता॥*

कूष्मांडा

इन दिन रोज की तरह सबसे पहले कलश की पूजा कर माता कुष्मांडा को नमन करें। इसके बाद मां को जल और पुष्प अर्पित करें। बता दें कि इस दिन पूजा में बैठने के लिए हरे रंग के आसन का इस्तेमाल करें। इस दिन मां को कद्दू के हलवे का भोग लगाएं। *मंत्र: ऊं कुष्माण्डायै नम: दूसरा मंत्र: या देवी सर्वभूतेषु माँ कुष्माण्डा रूपेण संस्थिता. नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:*

स्कंदमाता

नवरात्रि के पांचवे दिन स्कंदमाता की पूजा की जाती है। इस दिन सबसे पहले स्कंदमाता की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। इसके बाद गंगाजल से शुद्धिकरण करें। चौकी पर मिट्टी, तांबे या फिर चांदी के घड़े में जल भरकर उस पर कलश रखें और देवी का ध्यान करें। स्कंदमाता की उपासना करने से मनुष्य की सभी इच्छाएं पूर्ण हो जाती है। माता स्कंदमाता को केला प्रिय है। इस दिन मां को केले का भोग जरुर लगाएं। *मंत्र: या देवी सर्वभूतेषु मां स्कन्दमाता रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:।। दूसरा मंत्र: ऊं स्कंदमार्त्यै नम:।।*

कात्यायनी

नवरात्र के छठे दिन देवी कात्यायनी की पूजा अर्चना करनी चाहिए। इस दिन पूजा करते समय लाल या पीले रंग के वस्त्र धारण करें। इसके बाद कात्यायनी देवी की प्रतिमा स्थापित करें और फिर गंगाजल से उसकी शुद्धी करें। इसके बाद मां के सामने घी का दीपक जलाएं और पुष्प भी चढ़ाएं। इसके असाला मां को पीले रंग के फूलों के साथ कच्ची हल्दी की गांठ भी चढ़ाएं। *मंत्र : या देवी सर्वभूतेषु माँ कात्यायनी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:॥ दूसरा मंत्र:ऊं स्कन्दमार्त्यै नम:*

कालरात्रि

सातवें दिन कालरात्रि की आराधना करना चाहिए। मां की प्रतिमा की स्थापना करने के बाद मां को कुमकुम, लाल पुष्प, रोली आदि चढ़ाएं। इसके बाद मां को नींबूओं की माला पहने और उनके सामने दीपक जलाकर उनका पूजन करें। मां के मंत्रों का जाप करें या सप्तशती का पाठ करें। मां कालरात्रि को लाल रंग के फूल अर्पित करें। माता कालरात्रि को गुड़ या उससे बनी चीजों का भोग लगाना चाहिए। *मंत्र: या देवी सर्वभूतेषु मां कालरात्रि रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:।।? कालरात्र्यै नम:*

महागौरी

नवरात्र के आठवें दिन महागौरी की पूजा करना चाहिए। इस दिन सबसे पहले लकड़ी की चौकी या मंदिर में महागौरी की प्रतिमा की स्थापना करें। इसके बाद चौकी पर सफेद कपड़ा बिछाकर उस पर महागौरी यंत्र की स्थापना करें। मां महागौरी की पूजा करते समय पीले ये सफेद रंग के वस्त्र धारण कर सकते हैं। महागौरी को हलवा और चने का भोग लगाना चाहिए। *मंत्र: श्वेते वृषे समरूढा श्वेताम्बराधरा शुचि:। महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा।। दूसरा मंत्र: ऊं महागौर्यै नम:*

सिद्धिदात्री

मां जगदंबा का ये रूप पूर्ण स्वरूप है। पहले दिन जो पूजा अर्चना शैलपुत्री के रूप में की गई थी वह सिद्धिदात्री के रुप पर आकर पूर्ण हो जाती है। इस दिन सबसे पहले कलश की पूजा और पूजा स्थल पर सभी देवी-देवताओं का ध्यान करना चाहिए। इसके बाद माता के मंत्रो का जाप कर उनकी पूजा करनी चाहिए। मां सिद्धिदात्री को मौसमी फल, पूड़ी, खीर, नारियल, चना, और हलवा का भोग लगाना चाहिए। *मंत्र: या देवी सर्वभूतेषु मां सिद्धिदात्री रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नम:। दूसरा मंत्र: ऊं सिद्धिदात्र्यै नम:।*

कहानी — कितने ईमानदार

एक बार बादशाह अकबर ने पूछा, बीरबल हमारी राजधानी में कितने ईमानदार हैं? ईमानदार अधिक हैं या बेईमान? जहांपनाह, बेईमान अधिक हैं। बीरबल ने कहा। सिद्ध कर सकते हो? बिल्कुल। ठीक है। सिद्ध करो। दूसरे दिन बीरबल ने महल का हौज खाली करवा दिया और नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया, आज रात को नगर का हर आदमी बादशाह के महल के हौज में एक-एक घड़ा दूध डाले। सुबह होते ही बीरबल अकबर को हौज के पास ले गये। हौज को देखते ही बादशाह अकबर की आंखें खुली की खुली रह गयी। वे जोर से चिल्लाए, यह क्या है? हौज में दूध के बदले पानी। मेरे हुकम का ऐसा अनादर। बादशाह अकबर गुस्से से लाल-पीले हो गये। बोले, यह कैसे हो सकता है? बीरबल। ढिंढोरा पिटवाने में जरूर कोई भूल हुई होगी। लोग बादशाह के हुक्म का पालन न करें, ऐसा हो ही नहीं सकता। बीरबल ने शान्तिपूर्वक अकबर से कहा, हुजूर, जैसा आप सोचते हैं, नहीं हुआ है। सच बात तो यह है कि सभी ने जान-बूझ कर हौज में दूध के बदले पानी डाला है। अकबर ने कहा, मैं कैसे मान लूं कि जैसा तुम कह रहे हो, ऐसा ही हुआ होगा। हुजूर! मेरे साथ चलिए, अभी दूध का दूध और पानी का पानी हो जाता है। दोनों भेष बदलकर बाहर निकले। चलते-चलते वे एक सेठ की हवेली पर पहुंचे। सेठ ने पूछा, कौन हैं आप? बीरबल ने कहा, राहगीर हैं भाई। थोड़ी देर रुक कर आगे चले जाएंगे। सेठ ने कहा, आइए, अंदर आ जाइए। दोनों अन्दर गये। पानी पिया, फिर आराम से बैठे। बीरबल ने कहा, सेठजी! आपके बादशाह ने अपने हौज में लोगों को एक-एक घड़ा दूध डालने का हुक्म दिया था, क्या यह बात सच है? सेठ ने कहा, हां, सच है। बीरबल ने कहा, किसी को ऐसी बात पसन्द नहीं आती, लेकिन बेचारे क्या करते? बादशाह का हुक्म था, इसलिए। सेठ ने कहा, हुक्म देने वाला तो हुक्म दे देता है, पर मनुष्य में तो बुद्धि होती है न? बीरबल ने कहा, मतलब? सेठ ने बताया, देखिए... किसी से कहना मत! मैंने तो हौज में दूध के बजाय एक घड़ा पानी ही डाल दिया था। रात के अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े के अन्दर क्या है। फिर नगर के सारे लोग तो दूध डालने ही वाले थे। उसमें मैंने एक घड़ा पानी डाल दिया, तो क्या फर्क पड़ता है? अकबर और बीरबल सेठ से इजाजत लेकर रवाना हुए। इसी तरह वे चार-पांच जगह और गए। सभी से एक ही बात सुनने को मिली कि हौज में सभी लोग दूध डालने वाले थे, पर अंधेरे में कौन देखता है कि घड़े में दूध है या पानी, यह सोचकर हर किसी ने हौज में दूध के बजाय पानी ही डाला था। बीरबल ने कहा, हुजूर, अभी और कहीं पता लगाने जाना है क्या? अकबर ने कहा, नहीं... नहीं...। इतना ही बहुत है। तुम सच कहते हो, सभी बेईमान गलत काम में एक हो जाते हैं और खासतौर पर स्वार्थ साधने में।

शिक्षा: हमें निर्णय पर पहुंचने से पहले तथ्यों पर गौर कर लेना चाहिए। यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि डर हमेशा अधिकारी की आज्ञा पालन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, अधिकारी इस बात का लाभ उठा सकते हैं। यदि उच्च अधिकारी इस बात से अनभिज्ञ है तो उसके अन्तर्गत काम करने वाले डर खो देते हैं जबकि उच्चाधिकारी अपनी अधिकारिता।

5 अंतर खोजें

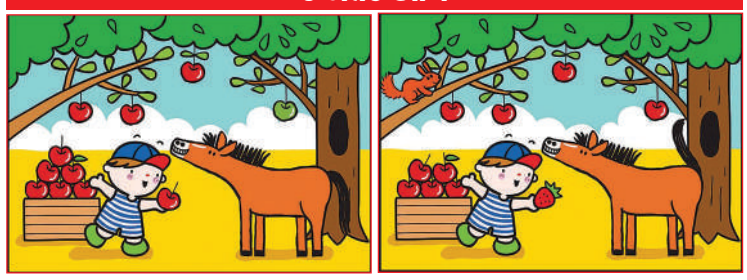

हंसना मना है

पत्नी-मेरे बाल सफेद होते जा रहे हैं, व्हाट शुड आई डू? पति - यू शुड डाई। लेकिन पत्नी ने कुछ और समझा और कर दी पतिदेव की जोरदार पिटाई।

एक शराबी अपने दोस्त से - आज तब तक पीएंगे जब तक वो सामने वाले तीन पेड़ छह नहीं दिखने लगें। बगल से जा रहा व्यक्ति बोला - बस करो, सामने एक ही पेड़ है।

अब क्या जंगल बनाओगे? बहू - मां जी, ये अभी तक नहीं आए, कहीं किसी दूसरी लड़की के साथ तो नहीं? सास - अरे, तू हमेशा उल्टा क्यों सोचती है? ऐसा भी तो हो सकता है कि किसी ट्रक के नीचे आ गया हो।

लड़की किडनैप हुई और उसे सिर्फ एक ही टेंशन थी...कि डैडी कहीं बिना मेकअप वाली फोटो पुलिस को न दे दें।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज पार्टनर के साथ समय नहीं बिता पाएंगे। किसी काम से शहर से बाहर जा सकते है। प्रेमी के साथ बिताये हुए पल याद करेंगे। पति-पत्नी के बीच मनमुटाव हो सकता है।

वृषभ — आपको सफलता मिल सकती है। अविवाहित लोगों की शादी तय हो सकती है। सोच-समझकर कुछ बोले वरना आपकी बातों का गलत मतलब निकाला जा सकता है।

मिथुन — पार्टनर के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। पार्टनर को लेकर किसी के साथ विवाद हो सकता है।

कर्क — पति-पत्नी के बीच आपसी सहयोग बना रहेगा। आज सिंगल लोगों को किसी खास इंसान से मुलाकात हो सकती है। पार्टनर की भावनाओं को समझने की कोशिश करें।

सिंह — आज आपकी अपने पार्टनर से मुलाकात हो सकती है। पति-पत्नी के बीच तनाव हो सकता है। अपनी भावनाएं पार्टनर पर ना थोपें। पार्टनर की बात परेशान कर सकती है।

कन्या — एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर होने की संभावना है। कोई अपोजिट जेंडर वाला व्यक्ति आपकी रिलेशनशिप में परेशानी पैदा कर सकता है। पार्टनर से मन मुटाव हो सकता है।

तुला — पार्टनर के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। पार्टनर को लेकर किसी के साथ विवाद हो सकता है। आज आपके खर्चे बढ़ेंगे।

वृश्चिक — आप किसी को प्रपोज करना चाह रहे हैं तो कर सकते हैं। लव लाइफ के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। आपका प्रपोजल स्वीकार किया जा सकता है।

धनु — पति-पत्नी के रिश्ते में मजबूती आ सकती है। अपोजिट जेंडर वालों से आकर्षण बढ़ सकता है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है।

मकर — आज आपके प्रेमी के साथ रिश्तें मधुर होंगे। आज शुरू होने वाली रिलेशनशिप ज्यादा समय तक नहीं चलेगी। प्रेम संबंधों को सुधारने का प्रयास करें, जीवनसाथी से सोच-समझकर मजाक करें।

कुम्भ — पार्टनर को लेकर मन में नेगेटिव बातें चलेगी। आज के दिन शुरू हुई पार्टनरशिप लंबे समय तक चल सकती है। आज लव लाइफ को लेकर कोई बड़ा फैसला ना लें।

मीन — आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है। पति-पत्नी के बीच मनमुटाव हो सकता है। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। पार्टनर को खुश करने के लिए उपहार दे सकते हैं।

बालीवुड | मन की बात

द कपिल शर्मा शो छोड़ रहीं हैं सुमोना चक्रवर्ती

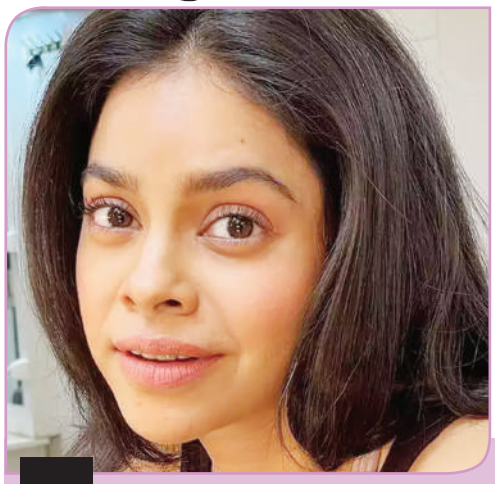

द कपिल शर्मा शो दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ ही खबरों में भी छाया रहता है। पिछले दिनों विवेक अग्निहोत्री की फिल्म के प्रमोशन के लिए उन्हें कपिल के शो में ना बुलाए जाने का मामला अभी थमा भी नहीं था कि अब एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शो में नजर आने वाला एक एक्टर जल्द ही गायब होने वाला है। ये किरदार कपिल के साथ पिछले 8 सालों से स्टैंडअप के जरिए लोगों को गुदगुदा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो कपिल शर्मा के शो पर नजर आने वाली भूरी यानी सुमोना चक्रवर्ती जल्द शो से ब्रेक लेने वाली हैं। उन्होंने जी एंटरटेनमेंट के लाइफस्टाइल चैनल जी जेस्ट के लिए शोनार बंगाल नाम के ट्रैवल शो के लिए बतौर होस्ट ज्वाइन किया है। ये शो 10 एपिसोड की सीरीज होगी, जिसमें हम बंगाल को एक अलग नजरिए से देखेंगे। ट्रिब्यून से बात करते हुए सुमोना ने कहा कि उन्हें राज्य का पता लगाने और उन कहानियों को उजागर करने का मौका मिला, जो उनके बचपन का हिस्सा रही हैं। सुमोना का मानना है कि विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों के साथ बातचीत करने में सक्षम होना उनके लिए सीखने का अनुभव रहा है। इस शो का हिस्सा बनकर मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। एक्ट्रेस ने यह भी शेयर किया कि जब जी जेस्ट की टीम उनके पास पहुंची, तो सोचा कि यह कुछ ऐसा है जिसका वह हिस्सा बनना पसंद करेंगी। अभिनेत्री ने कहा, मुझे हमेशा यात्रा करना, नई जगहों और संस्कृतियों के बारे में जानना पसंद है। द कपिल शर्मा शो से सुमोना के बाहर निकलने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

आलिया भट्ट व आमिर खान पहली बार शेयर करते दिखेंगे स्क्रीन

दर्शकों को नई जोड़ी काफी लुभाती रही है। जब भी स्क्रीन पर नई जोड़ी आने वाली होती है, तो दर्शक काफी उत्साहित हो जाते हैं और ऐसा होना भी लाजमी है, क्योंकि नई जोड़ी के साथ हमें कुछ नयापन देखने को मिलता है। जैसे इन दिनों लोगों को एक फिल्म का बहुत ही बेसब्री से इंतजार है और वो है 'ब्रह्मास्त्र', अब आप सोच रहेंगे होंगे ऐसा क्यों? तो बता दें कि इस फिल्म में पहली बार आलिया भट्ट बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर के साथ नजर आने वाली हैं। इस वजह से लोग इस नई जोड़ी की केमिस्ट्री देखने के लिए बेकरार है। वहीं अब खबर आ रही है कि जल्द ही एक और नई जोड़ी साथ में स्क्रीन शेयर करते दिखाई देंगे और उस नई जोड़ी का नाम आलिया भट्ट और आमिर खान है। जी, आपने सही सुना एक बार फिर आलिया भट्ट अपनी नई जोड़ी बनाती नजर आएंगी, वो भी आमिर खान के साथ। इंडिया टुडे में प्रकाशित एक खबर के अनुसार, आमिर खान और आलिया भट्ट एक साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखने वाले हैं। खबरों के अनुसार, आलिया भट्ट और आमिर खान एक स्पेशल प्रोजेक्ट के लिए एक साथ आ रहे हैं। आमिर और आलिया एक कमर्शियल में स्क्रीन शेयर करेंगे. यह पहली बार होगा जब ये दोनों कलाकार किसी प्रोजेक्ट में साथ नजर आएंगे। यह कथित तौर पर कल यानी 29 मार्च को मुंबई के फिल्मसिटी में शूट किया गया था।

बॉलीवुड | तड़का

आलिया और आमिर एक साथ वास्तव में अच्छे लगते हैं। वह आमिर के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित थीं। हाल ही में, आमिर खान और आलिया भट्ट 'आरआरआर' के स्टार्स राम चरण और जूनियर एनटीआर के साथ दिल्ली में फिल्म के प्रमोशनल इवेंट में शामिल हुए थे, जहां आमिर ने फिल्म के एक मशहूर गाने पर भी डांस किया था। 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आएंगी। आलिया हाल ही में फिल्म 'गंगूबाई' में नजर आई थी।

रिमी सेन हुईं ठगी का शिकार

रिमी सेन ठगी का शिकार हो गई हैं। रिमी सेन से 4.14 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई है. बॉलीवुड एक्ट्रेस ने खार थाने में लिखित शिकायत दी थी, जिसके बाद पुलिस ने 29 मार्च को मामले पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। एक्ट्रेस ने गोरेगांव के एक व्यवसायी रौनक जतिन व्यास के खिलाफ निवेश के नाम पर कथित तौर पर 4.14 करोड़ रुपये ठगने के आरोप लगाया है। खार पुलिस ने आईपीसी की धारा 420 और 409 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। एक्ट्रेस ने अपनी लिखित शिकायत में उल्लेख किया कि वह तीन साल पहले अंधेरी के एक जिम में गोरेगॉन निवासी आरोपी रौनक जतिन से मिली थी और दोनों महीनों में दोस्त बन गए। एक्ट्रेस ने मामले की जानकारी देते हुए पुलिस को बताया कि जतिन ने दावा किया वह एक व्यवसायी था और एलईडी लाइट्स की एक नई कंपनी खोली थी. इसके बाद उन्होंने सेन को कंपनी में 40 फीसदी रिटर्न के लिए निवेश करने की पेशकश की थी। जब उसने पैसे का निवेश करने का फैसला किया, तो उन्होंने एक समझौता किया था। जब निवेश की समय सीमा खत्म हुई तो एक्ट्रेस ने उससे इन्वेस्टमेंट के पैसे मांगे, लेकिन जतिन ने उसकी फोन का उठाने और रिप्लाई करना बंद कर दिया। तब एक्ट्रेस को ठगी का एहसास हुआ।

4.14 करोड़ रुपये धोखाधड़ी के बाद दर्ज कराई FIR

अजब-गजब | इस देश में अचानक कहां से आ गए इतने केकड़े

केकड़ों ने सड़कों से दीवारों तक हर जगह किया कब्जा

क्यूबा में लोग इन दिनों एक अजोबीगरीब समस्या से परेशान हैं। इस परेशानी के बारे में आपको जानकर यकीन नहीं होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। दरअसल, इस समय क्यूबा में सड़कों से लेकर घर की दीवारों तक हर जगह केकड़ों का कब्जा हो गया है। लाल, नारंगी और पीले रंग के केकड़ों ने क्यूबा के कई तटीय इलाकों में हमला कर दिया है। इनके हमले से देश का बे ऑफ पिग्स इलाका सबसे अधिक प्रभावित है। ऐसा नहीं है कि यह पहली जमीन से बाहर आए हैं, क्योंकि यह हर साल बाहर आते हैं, लेकिन इस बार जल्द ही निकल आए हैं। स्थानीय सरकारों ने इनसे निपटने की अभी तैयारी नहीं की थी जिसकी वजह से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

केकड़ों के लिए कोरोनाकाल फायदेमंद साबित हुआ, क्योंकि महामारी से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन की वजह से इंसानों का सड़कों से लेकर समुद्री इलाकों तक आना जाना लगभग बंद था। इस दौरान केकड़ों को कहीं भी घूमने, प्रजनन करने का मौका मिल गया, जिसकी वजह से लैटिन देश में केकड़ों की आबादी में भारी वृद्धि हो गई।

बे ऑफ पिग्स में हैं करोड़ों केकड़ा

कभी गाड़ियों से पटी रहने वाली सड़कें लॉकडाउन में बिल्कुल खाली हो गई थीं, जिसकी

वजह से सड़कों और अन्य स्थानों पर इन्होंने प्रजन्न किया और भारी संख्या में केकड़े पैदा हो गए। इसकी वजह से बे ऑफ पिग्स क्षेत्र के आसपास केकड़े की संख्या करोड़ों में हो गई है। क्यूबा के दक्षिण में स्थित बे ऑफ पिग्स के एक तरफ समुद्र है और इसके किनारे-किनारे जंगल मौजूद हैं। लॉकडाउन में समुद्र और जंगल के बीच से निकले वाली खाली सड़कों का केकड़ों को फायदा मिला। पहले जब केकड़े बाहर आते थे, तो गाड़ियों से दबकर मर जाते थे। लेकिन कोरोना की वजह से लगाए लॉकडाउन में खाली सड़कें इनके लिए वरदान बन गईं। बीते दो सालों में इनकी संख्या और आकार दोनों बढ़ गया। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक सुरक्षा गार्ड का कहना है कि बीते दो सालों तक सड़कों पर ट्रैफिक बेहद कम रहा और पर्यटक भी कम आते थे। इसकी वजह से केकड़ों के साम्राज्य में वृद्धि होती गई। समुद्र के किनारे की सड़कें पर्यटन के हिसाब अच्छी जगह थीं, लेकिन दो सालों में यहां पर केकड़ों का कब्जा हो गया है। क्यूबा के पर्यावरण मंत्रालय के वैज्ञानिक रीनाल्डो संटाना एग्विलर का कहना है कि वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि केकड़े इतनी जल्दी बाहर क्यों और कैसे आ गए। क्या इनकी जनसंख्या बढ़ने की वजह कोरोना काल है या कोई प्राकृतिक बदलाव हुआ है।

रीनाल्डो ने कहा कि इनकी आबादी में वृद्धि, तो समझ में आती है, लेकिन इस समय केकड़े विस्थापित नहीं होते हैं। उनका इस दौरान विस्थापन क्यों हुआ है यह समझ में नहीं आ रहा है। क्यूबा में केकड़ों ने आफत पैदा कर दी है। इन्होंने सड़क से लेकर घरों की दीवारों तक पर कब्जा किया हुआ है। इन केकड़ों ने क्यूबा में लोगों के सामने समस्या खड़ी कर दी है।

पालतू कुत्ते की हुई मौत तो मालिक ने बना डाला मंदिर, स्थापित कराई टॉम की मूर्ति भी!

आपने अक्सर पालतू जानवरों और उनके मालिकों के बीच प्यार की कहानियां सुनी होंगी। वो एक-दूसरे से इतने अटैच होते हैं कि कई बार मालिक के जाने का गम जानवर नहीं भूल पाते हैं तो कभी ऐसा भी होता है कि मालिक को उनके पेट की याद सताती रहती है। कुछ ऐसा ही हुआ तमिलनाडु के शिवगंगा इलाके में। यहां एक शख्स के पालतू कुत्ते की मौत के बाद उन्होंने उसकी याद में एक मंदिर बना दिया है। 82 साल के रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी मुथु को उनका डॉग सबसे प्रिय और वफादार लगता था। जब उसकी मौत हो गई तो उन्होंने उसे अजीबोगरीब तरीके से श्रद्धांजलि दी। मुथु ने अपने लैब्राडॉर की याद में एक मंदिर बनवा दिया है, जिसमें उसकी एक मूर्ति भी स्थापित कराई है। मुथु के भतीजे मनोज कुमार ने बताया कि टॉम नाम के डॉग को उनके भाई ने 11 साल पहले खरीदा था. वे जब उसे अपने पास नहीं रक सके तो 6 महीने बाद उन्होंने उसे अपने चाचा को सौंप दिया। इसके बाद से हमेशा टॉम उनके साथ रहा। वे एक-दूसरे के साथ रहते थे और ये साथ टॉम की मौत के बाद ही छूटा। टॉम कुछ बीमार था और उसका इलाज काफी दिनों से चल रहा था। आखिरकार साल 2021, जनवरी में टॉम को इसी बीमारी की वजह से अपनी जान गंवानी पड़ी। मुथु ने अपने डॉग की याद में कुल 80 हजार रुपये खर्च करके उसकी एक ब्लैक मार्बल की मूर्ति बनवाई। फिर उन्होंने टॉम की मूर्ति को मनामदुरै के पास ब्राह्मकुरिची में अपने खेत पर एक मंदिर बनवाकर उसमें स्थापित कराया। उसकी प्रतिमा पर हर रोज प्रसाद भी चढ़ाया जाता है और खास दिनों में इस पर माला भी चढ़ाई जाती है और टॉम का पसंदीदा भोजन भी बनाया जाता है। टॉम की मौत के सालभर बाद बने मंदिर में लोग प्रार्थना करने के लिए भी आते हैं। दिलचस्प बात ये है कि टॉम की इस मूर्ति पर दक्षिण भारतीयों का पारंपरिक परिधान और चंदन भी लगाया जाता है।

प्राइमरी स्कूलों की तस्वीर बदलने की तैयारी में जुटी सरकार

अब विधायकों और अफसरों को एक-एक स्कूल लेना होगा गोद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब योगी सरकार प्राइमरी शिक्षा की तस्वीर बदलने में जुट गई है। सीएम योगी ने उच्च अधिकारियों के साथ बैठक में निर्देश दिया कि कम साक्षरता वाले जिलों पर ज्यादा ध्यान दिया जाय। प्रदेश के सभी 1.58 लाख प्राइमरी स्कूलों को स्मार्ट सुविधाओं से लैस किया जाय। सभी अध्यापक घर-घर जाकर अभिभावकों से मिलकर बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करें। स्कूल चलो अभियान के साथ सभी जनप्रतिनिधियों को भी जोड़ा जाए। सभी विधायक एक-एक विद्यालय को गोद जरूर लें। इसके साथ ही अधिकारी भी स्कूलों को गोद लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि

- सीएम योगी ने स्कूल चलो अभियान को भी तेज करने के दिए निर्देश
- चार अप्रैल को श्रावस्ती से शुरू किया जाएगा अभियान

जिन जिलों की साक्षरता दर कम है, उन जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाय। वहां के विद्यालयों में वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाए। ऑपरेशन कायाकल्प से बेसिक शिक्षा परिषद के सभी 1.58 लाख विद्यालयों को आच्छादित किया जाए। प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय को सभी बुनियादी सुविधाओं से लैस किया जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बिना भेदभाव के कार्य कर रही है। भेदभाव न करने वाली लोकप्रिय भाजपा सरकार को इसलिए फिर से एक बार जनता ने अपना आशीर्वाद दिया है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में क्षेत्र पंचायत, ग्राम पंचायत, जिला पंचायत में कुछ मूलभूत सुधारों को आगे बढ़ाते हुए यह ध्यान दिया कि कैसे हम अपने सदस्यों के सम्मान की रक्षा करते हुए उनके कार्यों को और भी तेजी के साथ आगे बढ़ने का काम कर सकते हैं। गौरतलब है कि चार अप्रैल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रावस्ती में स्कूल चलो अभियान की शुरूआत करेंगे। वहां की साक्षरता दर प्रदेश में सबसे कम है। इसके बाद बहराइच, बलरामपुर, बदायूं और रामपुर हैं।

सिरफिरे आशिक ने युवती को मारी गोली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। आगरा एत्माद्दौला क्षेत्र में एक सिरफिरे आशिक ने बात करना बंद करने से नाराज होकर युवती के घर पहुंच गया। उसने युवती से मारपीट की और तमंचे की बट मारकर लहूलुहान कर दिया। इसके बाद उसे गोली भी मार दी और हवाई फायरिंग करते हुए भाग गया। दोनों अलग-अलग संप्रदाय के हैं। तनाव की आशंका को देखते हुए अधिकारी फोर्स के साथ पहुंचे हैं।

मामला एत्माद्दौला थाने के सामने स्थित बस्ती का है। पुलिस के मुताबिक यहां की रहने वाली एक युवती की दो वर्ष पहले फतेहाबाद क्षेत्र के युवक से पहचान हो गई थी। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगी। छह माह पहले दोनों में विवाद हो गया। इसके बाद युवती ने उससे बात करना बंद कर दिया। इससे युवक बौखला गया। आज सुबह सात बजे युवक तमंचा लेकर युवती के घर पहुंच गया। युवती छत पर थी। युवक छत पर पहुंच गया। तमंचे की बट सिर में मारकर उसे लहूलुहान कर दिया। उसके बाद गोली मार दी। युवती के छत पर गिरने के बाद वह भागने लगा। बस्ती के लोगों को देखकर वह तमंचे से हवाई फायर करते हुए भाग गया। एसपी सिटी विकास कुमार कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने युवती के स्वजन को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत किया।

रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार हुए चौकी प्रभारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। दहेज उत्पीड़न के मामले में आरोपी महिला से दस 10 हजार की रिश्वत ले रहे कन्नौज में ठठिया थाने के खैरनगर चौकी प्रभारी राजीव सिंह चौहान को एंटी करप्शन टीम ने गुरुवार को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

इटावा के भरथना थानाक्षेत्र के गांव बहरापुर निवासी मनीष कुमार की ठठिया थाना क्षेत्र के हजियापुर गांव में रहने वाली नीलम से 2015 में शादी हुई थी। नीलम ने पति मनीष, ननद सरिता सहित छह लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच चौकी प्रभारी राजीव सिंह चौहान कर रहे थे। चौकी प्रभारी ने सरिता से उसका और उसके पति का नाम निकालने के लिए 30 हजार की मांग की थी। सरिता 10 हजार पहले दे चुकी थी। इस दौरान सरिता ने एंटी करप्शन से शिकायत की थी। जब सरिता 10 हजार देने पहुंची तो टीम ने चौकी प्रभारी को गिरफ्तार कर लिया।

तो सिद्धार्थनाथ को है माफियाओं से प्यार, फेसबुक पर पोस्ट की बच्चा पासी गैंग के गुर्गे संग तस्वीर

- गैंग के सदस्य दिलीप प्रजापति के साथ मुलाकात की फोटो शेयर की
- पहले भी गैंग के एक अन्य सदस्य को बनवा चुके हैं भाजपा का पदाधिकारी

अमित कुमार श्रीवास्तव

लखनऊ। एक ओर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ माफियाओं के खिलाफ अभियान चला रहे हैं तो दूसरी ओर उनके विधायक और मंत्री ही उनको संरक्षण दे रहे हैं। माफिया व अपराधी सीएम योगी आदित्यनाथ के बुलडोजर से बचने के लिए बड़े नेताओं की शरण ले रहे हैं। ताजा मामला संगम नगरी प्रयागराज में देखने को मिला। जहां पूर्व कैबिनेट मंत्री व शहर पश्चिमी से विद्यायक सिद्धार्थनाथ सिंह ने अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन गैंग के सदस्य निहाल कुमार उर्फ बच्चा पासी गैंग को अपने शरण में ले रखा है।

इसकी पुष्टि उनके फेसबुक पेज से भी होती है।

सिद्धार्थ नाथ सिंह अपने फेसबुक पेज पर बच्चा पासी गैंग के सक्रिय सदस्य दिलीप प्रजापति के साथ फोटो को पोस्ट कर ये साबित भी कर दिया है कि वह माफियाओं को अपने शरण में रखे हुए हैं। इसके पहले विधान सभा चुनाव के समय बच्चा पासी के राइट हैंड मंजीत कुशवाहा ने सिद्धार्थ नाथ सिंह के साथ फोटो शेयर की थी। सिद्धार्थ नाथ सिंह ने मंजीत कुशवाहा को भाजपा का पदाधिकारी भी बनवा दिया है।

गौरतलब है कि कौशांबी जिले के चायल ब्लॉक प्रमुख दिलीप प्रजापति बच्चा पासी गैंग का सक्रिय सदस्य है। उसका नाम बच्चा पासी गैंग लिस्ट में आठवें नंबर पर लिखा है और यह बच्चा पासी के अवैध कारोबार को संभालता है। 2020 में तत्कालीन सीओ सिविल लाइंस ब्रज नारायण सिंह ने बच्चा पासी के गैंग से जुड़े दो सदस्यों दिलीप प्रजापति व मंजीत कुशवाहा के शस्त्र लाइसेंस को निरस्त करने के लिए रिपोर्ट जिलाधिकारी कौशांबी व प्रयागराज को भेजी थी लेकिन राजनैतिक पहुंच के चलते आज तक इनके शस्त्र लाइसेंस रद्द नहीं किए गए हैं। फाइल अभी भी जिलाधिकारी कार्यालय में लम्बित है।

ट्रक ने बाइक को रौंदा भाई-बहन की मौत

अलीगढ़ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। उत्तर प्रदेश के जनपद अलीगढ़ में अकराबाद थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे पर गोपी के निकट आज को सुबह ट्रक ने बाइक को रौंद दिया। हादसे में बाइक सवार बीरपाल सिंह पुत्र महाराज सिंह उम्र 42, निवासी गांव लधौआ व बहन सुमन देवी उम्र 30 वर्ष पत्नी विनोद निवासी बहलोलपुर धनीपुर फलमंडी की मौत हो गई। भाई ध्यानपाल सिंह को पुलिस ने गंभीर हालत में अलीगढ़ मेडिकल भेजा है। दोनों भाई बहन सुमन की तबीयत खराब होने पर बाइक द्वारा दवा दिलवाने निकट के गांव गोपी जा रहे थे। हादसे की सूचना पर परिवार में कोहराम मच गया है। गंभीर हालत में घायल ध्यानपाल सिंह की हालत चिंताजनक बनी हुई है। उसके हाथ पांव की मूवमेंट बंद हो गई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए अलीगढ़ भेजा है।

जलकल महाप्रबंधक के आवास पर सीबीआई की छापेमारी से हड़कंप

- आधी रात तक साक्ष्य जुटाती रही टीम, कारणों को नहीं चला पता
- किसी घोटाले को लेकर की गयी कार्रवाई की हो रही चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। जलकल महाप्रबंधक नीरज गौड़ के आवास पर गुरुवार रात सीबीआई की टीम ने स्वरूप नगर थाने की फोर्स के साथ छापेमारी की। देर रात तक सीबीआई जलकल महाप्रबंधक और परिवार के सदस्यों से पूछताछ करती रही। टीम ने इस दौरान कई दस्तावेज अपने कब्जे में लिए हैं।

जलकल जीएम नीरज गौड़ की सीबीआई टीम लखनऊ में तलाश कर रही थी। स्वरूप नगर थाने में गुरुवार शाम छह बजे लखनऊ से आई तीन सदस्यीय सीबीआई टीम ने परिचय देने के बाद फोर्स की मांग की, जिस पर एसीपी स्वरूप नगर ब्रजनारायण सिंह के साथ थाना प्रभारी स्वरूप नगर के साथ फोर्स को जलकल महाप्रबंधक नीरज गौड़ के आवास भेजा। टीम ने घर पहुंचते ही गेट पर पुलिस कर्मियों को रोका और वहां बने गार्ड रूम में सभी के मोबाइल फोन जमा करा लिए। घर के मुख्य हाल में सीबीआई की टीम ने जलकल महाप्रबंधक व परिवार के अन्य सदस्यों से पूछताछ करनी शुरू की। देर रात तक पूछताछ जारी रही। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जलकल महाप्रबंधक के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) में तैनाती के दौरान कोई बड़ा घोटाला हुआ था। मामले में सीबीआइ ने दिल्ली में मुकदमा दर्ज किया था। डीसीपी पश्चिम बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि लखनऊ से सीबीआई की तीन सदस्यीय टीम थाने पहुंची थी। टीम को फोर्स दी गयी। छापेमारी किस संदर्भ में की गई है, इसकी जानकारी नहीं है।

बीजेपी चाहती है आजमगढ़ से लड़ें शिवपाल!

4पीएम न्यूज नेटवर्क

- चाचा और भतीजे में फिर से बढ़ने लगी है दूरी
- 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

लखनऊ। चाचा और भतीजे में दूरी फिर से बढ़ने लगी है यानी अखिलेश और शिवपाल यादव के बीच मनभेद शुरू हो गया है। प्रसपा मुखिया और जसवंतनगर के विधायक शिवपाल यादव अचानक सीएम योगी से मुलाकात की तो चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। शिवपाल भाजपा के संपर्क में है। चर्चा है कि वे राज्यसभा जाना चाहते हैं। वे अपने बेटे के भविष्य को लेकर भी चिंतित है। इसी मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, उत्कर्ष सिन्हा, परजॉय गुहा ठाकुरता, उमाशंकर दुबे, सैयद कासिम, श्वेता आर रश्मि, केपी सिंह और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ एक लंबी परिचर्चा हुई।

परजॉय गुहा ठाकुरता ने कहा, शिवपाल का अखिलेश से बहुत दिनों से झगड़ा चल रहा है। राज्यसभा में कौन ले जाएगा, कब जाएंगे ये तो समय बताएगा। शिवपाल सपा में नंबर टू होना चाहते हैं, ऐसी चर्चा होती रहती है। सतीश के सिंह ने कहा, मुझे लगता है कि ये चुनाव हारकर अखिलेश बहुत पीछे चले गए हैं। ये चुनाव वे आराम से जीत सकते थे। अखिलेश जिद्दी हैं, हमें भी लगता है। अखिलेश कहीं कांग्रेस के सिंड्रोम के शिकार तो नहीं हो रहे, जाना है तो जाओ, आना है तो आओ, जो गया सो गया, ये वाली स्थिति से निकलकर उनको नए रूप में सब चीजें गढ़नी पड़ेंगी।

उत्कर्ष सिन्हा ने कहा, चुनाव नतीजों के बाद अखिलेश के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं। शिवपाल की बात करें तो उनके जाने से ऐसा नहीं कह सकते कि सपा को नुकसान नहीं होगा। सपा का गढ़ है आजमगढ़। भाजपा की रणनीति होगी कि शिवपाल को साथ लाए और आजमगढ़ से चुनाव लड़ाए। सैयद कासिम ने कहा अगर शिवपाल भाजपा में नहीं जा रहे तो वे डॉयल कहां से हो रहे। बीजेपी चाहती है कि शिवपाल आजमगढ़ से लड़े। मुझे यकीन नहीं है कि वो ऐसा रिस्क लेंगे। उमाशंकर दुबे ने कहा, शिवपाल-अखिलेश की दूरी मिटती भी है तो दरारें दोनों को नुकसान पहुंचाएगी। श्वेता आर रश्मि और केपी सिंह भी परिचर्चा में शामिल हुए।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

परीक्षा पे चर्चा — एग्जाम के तनाव से बचने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के टिप्स

ऑनलाइन-ऑफलाइन पढ़ाई नहीं, मन का भटकना है समस्या

» छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से की बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पीएम मोदी परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के 5वें संस्करण में विद्यार्थियों को एग्जाम के तनाव से बचने के गुर बता रहे हैं। पीएम मोदी ने छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से बातचीत की शुरुआत में कहा कि कोरोना के कारण पिछले साल आपसे मिल नहीं पाया, लेकिन इस बार मिलकर अच्छा लग रहा है।

परीक्षा से पहले भय और नंबर कम आने से जुड़े प्रश्नों पर पीएम मोदी ने कहा कि परीक्षा जीवन का सहज हिस्सा है। यह आपकी विकास यात्रा का हिस्सा है। आप कई बार एग्जाम दे चुके हैं। परीक्षा के अनुभवों को अपनी ताकत बनाएं। तो आप करते हैं उसमें विश्वास भरें। परीक्षा जीवन का एक पड़ाव भर है। पीएम मोदी ने कहा कि माध्यम चाहे ऑनलाइन हो या ऑफलाइन, मन समस्या है। मन लगना चाहिए। मन से पढ़ेंगे तो ध्यान नहीं भटकेगा। जीवन में माध्यम बदलते रहते हैं। ऑनलाइन पाने के लिए है और ऑफलाइन बनने के लिए है। मुझे कितना ज्ञान अर्जित करना है मैं अपने मोबाइल फोन पर ले आऊंगा, जो मैंने वहां पाया है ऑफलाइन में मैं उसे पनपने का अवसर दूंगा। ऑनलाइन का अपना आधार मजबूत करने के लिए उपयोग करें और ऑफलाइन में जाकर उसे साकार करना है। ऑनलाइन को एक अवसर मानिए। पीएम मोदी ने कहा कि जितना आइपैड, मोबाइल फोन के अंदर घुसने में आनंद आता है, उससे हजार गुना आनंद अपने भीतर घुसने का होता है। दिन भर में कुछ पल ऐसे निकालिए, जब आप ऑनलाइन भी नहीं होंगे, ऑफलाइन भी नहीं होंगे बल्कि इनरलाइन होंगे। जितना अपने अंदर जाएंगे, आप अपनी ऊर्जा को अनुभव करेंगे।

फोटो: सुमित कुमार

मन से पढ़ेंगे तो ध्यान नहीं भटकेगा

अपने सपनों को बच्चों पर न थोपें माता-पिता

पीएम मोदी ने कहा कि अक्सर देखते में आता है कि माता-पिता अपने सपनों और अपेक्षाओं को बच्चों पर थोपते हैं। सभी पेरेंट्स व टीचरों को कहना चाहूंगा बच्चों की स्ट्रेंथ को पहचानें, यह आपकी कमी है कि आप उसकी ताकत को समझ नहीं पा रहे हैं। दूरी वही से बन जाती है। अपने सपनों को माता-पिता बच्चों पर न थोपें।

राज्य सभा में उठा केजरीवाल के आवास पर हमले का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज राज्य सभा में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास पर हमले का मामला उठा। इस मामले में आप सांसद संजय सिंह ने सदन में चर्चा की मांग की और नोटिस दिया। वहीं अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर हुए हिंसक प्रदर्शन और तोड़फोड़ मामले की सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। अदालत ने दिल्ली पुलिस से दो हफ्ते के अंदर एक सील लिफाफे में स्थिति रिपोर्ट पेश करने के भी आदेश दिए हैं। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस से पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी संरक्षित रखने को कहा है।

» आप सांसद संजय सिंह ने चर्चा की मांग उठायी मांग दिया नोटिस

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुए हमले के मामले में राज्य सभा में चर्चा की मांग की गई है। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने इस पर चर्चा के लिए शून्यकाल नोटिस दिया है। संजय सिंह ने दिल्ली नगर निगम संशोधन बिल 2022 पर भी चर्चा के लिए नियम 67 के तहत नोटिस दिया है। आम आदमी पार्टी इस बिल का लगातार विरोध कर रही है। वहीं दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यकारी चीफ जस्टिस विपिन सांघी और जस्टिस नवीन चावला की बेंच आप विधायक सौरभ भारद्वाज द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करने के बाद दिल्ली पुलिस को आदेश दिया। इस याचिका में सीएम के आवास पर हुए हमले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की गयी है। सुनवाई कर रही पीठ ने कहा, हमने वीडियो देखा है। वहां भीड़ अनियंत्रित थी।

भाजपा राज में बेटियों का अपमान: अखिलेश

नेता प्रतिपक्ष सदन में उठाएंगे अयोध्या में बच्ची से दुष्कर्म का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में पांच साल की मासूम बच्ची के साथ हुई हैवानियत की घटना को विधानसभा में उठाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में बेटियों का अपमान और उनके साथ दुष्कर्म की घटनाओं में वृद्धि से प्रदेश की बदनामी हुई है। कानून व्यवस्था में आई गिरावट से लोग त्रस्त हैं।

दरअसल अयोध्या में हनुमानगढ़ी चौराहा के पास बीती 16 मार्च किसी हैवान ने मासूम बच्ची को अपना शिकार बना लिया था। उसके बाद से बच्ची लखनऊ के ट्रामा सेंटर में भर्ती है। इस मुद्दे को लेकर अखिलेश ने कहा कि पवित्र धाम में ऐसी अपवित्र घटना होना दुखद है और विचलित करने वाली है। पांच वर्ष की मासूम बच्ची ट्रामा सेंटर में तड़प रही हैं पर शासन-प्रशासन संवेदनहीन बना हुआ है। भाजपा झूठ-फरेब की राजनीति करती है। जनता भाजपा से परेशान है। बता दें कि सपा विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही भाजपा सरकार पर हमलावर हैं।

अपनी तिजोरी भरने पर लगी डबल इंजन सरकार

उत्तर प्रदेश में नई सरकार के गठन के बाद महंगाई दोगुना रफ्तार से बढ़ रही है। समाजवादी पार्टी ने हर रोज बढ़ रही महंगाई को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार और केंद्र सरकार को घेरा। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर हमलावर होते हुए कहा कि सरकार सिर्फ अपनी तिजोरी भर रही है। इस सब के बीच बड़ी खबर यह है कि पिछले दस दिनों से हो रही लगातार बढ़ोतरी के बाद आज तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी नहीं की है, जिससे आम आदमी को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा डिजिटल जे-फार्म: भगवंत मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» पंजाब सरकार का एक और बड़ा कदम

चंडीगढ़। पारदर्शिता और किसानों के सशक्तिकरण को यकीनी बनाने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का नेतृत्व वाली सरकार ने राज्यभर में किसानों को आज से डिजिटल जे-फार्म उपलब्ध करवाने का फैसला किया है। पंजाब मंडी बोर्ड (पीएमबी) की इस नई पहलकदमी के बारे में बताते हुए सीएम भगवंत मान ने कहा कि इस फैसले से 9 लाख से अधिक रजिस्टर्ड किसानों को फायदा होगा।

मान ने कहा कि किसानों को मंडियों में बेची जाने वाली कृषि उपजों के लिए जे-फॉर्म आढ़तियों और खरीदारों द्वारा सिस्टम पर बिक्री की पुष्टि के बाद डिजिटल रूप से साथ ही उनके वाट्सएप पर मुहैया किए जाएंगे। इस किसान हितैषी प्रयास को ऐतिहासिक करार देते हुए भगवंत मान ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य राज्य के किसानों को सिस्टम द्वारा तैयार प्रामाणिक डिजिटल जे-फार्म साथ के साथ मुहैया करना है, जो इसको पीएमबी की वेबसाइट https://emandikaran-pb.in, आढ़ती के लागिन आइडी और डिजीलाकर से, भारत सरकार के डिजिटल दस्तावेज वैलेट से भी डाउनलोड कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।